दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस इंसान के पास धन कम हो, लेकिन दिल में अपनापन, व्यवहार में विनम्रता और रिश्तों में सच्चाई हो–वह जीवन का सबसे अमीर व्यक्ति होता है। क्योंकि दौलत केवल सुविधाएँ खरीद सकती है, लेकिन प्रेम, विश्वास और सम्मान कमाने पड़ते हैं।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-185 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 29 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

घर की मुस्कान से बड़ा कोई धर्म नहीं

आज का समाज एक अजीब विडंबना के दौर से गुजर रहा है। लोग बाहर की दुनिया में अपनी छवि चमकाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कोई सोशल मीडिया पर गरीबों को खाना खिलाते हुए तस्वीरें डाल रहा है, कोई मंचों पर समाज सेवा के बड़े-बड़े भाषण दे रहा है, तो कोई दान-पुण्य कर खुद को महान साबित करने में लगा है। लेकिन यदि उसी व्यक्ति के घर के भीतर झांककर देखा जाए, तो अक्सर एक अलग ही तस्वीर दिखाई देती है। वहाँ बूढ़े माता-पिता उपेक्षा के दर्द में चुप बैठे मिलते हैं, जीवनसाथी भावनात्मक अकेलेपन से जूझता नजर आता है और बच्चे अपने ही घर में अपनापन तलाशते दिखाई देते हैं। यही वह कड़वी सच्चाई है, जिस पर समाज को गंभीर आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

वास्तविक इंसानियत की शुरुआत घर से होती है, न कि मंचों और कैमरों से। जो व्यक्ति अपने घर के लोगों को खुशी, सम्मान और सुकून नहीं दे सकता, उसकी बाहरी दुनिया की तमाम अच्छाइयाँ अक्सर एक बनावटी आवरण मात्र बनकर रह जाती हैं। यह सच स्वीकार करना होगा कि दुनिया की तालियाँ क्षणिक होती हैं, लेकिन अपने परिवार की आँखों में दिखाई देने वाला संतोष जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होता है। माता-पिता वह नींव हैं, जिनकी कुर्बानियों पर हमारी पूरी जिंदगी खड़ी होती है। उन्होंने अपने सपनों को त्यागकर हमारी जरूरतों को पूरा किया, खुद की इच्छाओं को दबाकर हमारे भविष्य को संवारा। लेकिन आज आधुनिकता और व्यस्तता के नाम पर वही माता-पिता अकेलेपन का जीवन जीने को मजबूर हैं। दुख की बात यह है कि कई लोग समाज में सम्मान पाने के लिए बड़े-बड़े दान करते हैं, लेकिन अपने ही माता-पिता को समय देना उन्हें बोझ लगता है। यह परोपकार नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का सबसे बड़ा प्रमाण है। जीवनसाथी केवल सामाजिक रिश्ते का नाम नहीं, बल्कि जीवन की हर परिस्थिति में साथ चलने वाला साथी होता है। यदि वह व्यक्ति, जो आपके संघर्ष, असफलता और कमजोरी में आपके साथ खड़ा रहा, उसी को आप प्रेम, सम्मान और समय नहीं दे पा रहे, तो आपकी सारी उपलब्धियाँ अधूरी हैं। आज कई घरों में आर्थिक समृद्धि तो है, लेकिन भावनात्मक दिवालियापन भी उतना ही गहरा है। आलीशान मकानों में रहने वाले लोग भी भीतर से टूटे हुए हैं क्योंकि रिश्तों में संवाद, संवेदना और अपनापन समाप्त होता जा रहा है।

बच्चों के लिए भी सबसे बड़ी जरूरत महंगे खिलौने या बड़े स्कूल नहीं, बल्कि माता-पिता का समय और स्नेह है। एक बच्चा अपने पिता की व्यस्तता नहीं समझता, वह केवल इतना महसूस करता है कि उसके लिए समय नहीं है। यह आधुनिक जीवन की सबसे दुखद त्रासदी है कि लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए पैसा तो खूब कमा रहे हैं, लेकिन उनके वर्तमान से दूर होते जा रहे हैं। परिणामस्वरूप एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जिसके पास सुविधाएँ तो हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा नहीं। सच्चे मित्र भी जीवन की अमूल्य पूंजी होते हैं। ऐसे मित्र, जो बिना किसी स्वार्थ के आपके कठिन समय में ढाल बनकर खड़े रहते हैं, वास्तव में परिवार से कम नहीं होते। लेकिन आज स्वार्थ और दिखावे की दुनिया में लोग रिश्तों को भी उपयोग की वस्तु समझने लगे हैं। काम निकलते ही लोग अपने ही सच्चे साथियों को भूल जाते हैं। यह केवल कृतघ्नता नहीं, बल्कि चरित्र का पतन भी है। आज सोशल मीडिया ने इंसान को 'दिखावे का दानी' बना दिया है। लोग कैमरे के सामने दया दिखाते हैं और कैमरा बंद होते ही संवेदनाएँ भी खत्म हो जाती हैं। इंसानियत अब प्रदर्शन का विषय बनती जा रही है। जबकि सच्ची नेकी वह होती है, जो बिना प्रचार और बिना प्रशंसा की अपेक्षा के की जाए। घर में अपनों के चेहरे पर मुस्कान लाना किसी मंदिर में चढ़ावे से कहीं बड़ा पुण्य है। हमें यह समझना होगा कि दुनिया की नजरों में महान बनने से पहले अपने घर के लोगों की नजरों में अच्छा इंसान बनना जरूरी है। यदि आपके माता-पिता आपके व्यवहार से गर्व महसूस करते हैं, यदि आपका जीवनसाथी आपके साथ सुरक्षित और सम्मानित महसूस करता है, यदि आपके बच्चे आपकी मौजूदगी में खुश हैं और यदि आपके सच्चे मित्र आप पर भरोसा करते हैं–तो यही आपकी सबसे बड़ी सामाजिक उपलब्धि है।

जीवन अंततः तालियों से नहीं, रिश्तों से याद रखा जाता है। दुनिया की भीड़ आपको कुछ समय के लिए सम्मान दे सकती है, लेकिन अंतिम समय में आपके साथ वही लोग खड़े होंगे, जिन्हें आपने प्रेम और अपनापन दिया होगा। इसलिए समाज को सुधारने से पहले अपने घर के आंगन को खुशियों से भरना सीखिए। क्योंकि जिस इंसान के होने से उसके अपने खुश हों, वही वास्तव में एक अच्छा और सफल इंसान कहलाने का अधिकारी है। बाकी सब केवल रंगमंच का अभिनय है।

पात्र तक पहुंचने से पहले दम तोड़ रहीं सरकारी योजनाएं

राजोता ग्राम पंचायत में कैटल शेड योजना पर उठे सवाल, गरीब महिला को बकरियां बेचकर चुकानी पड़ी मजदूरी

दो साल से अधूरा पड़ा निर्माण, पंचायत प्रशासन पर अनदेखी और धांधली के आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी

सरकार ग्रामीण गरीब और पशुपालकों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए करोड़ों रुपए की योजनाएं चला रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण कई योजनाएं पात्र लोगों तक पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देती हैं। खेतड़ी उपखंड की राजोता ग्राम पंचायत में सामने आया कैटल शेड योजना का मामला सरकारी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।ग्राम पंचायत राजोता के लगरिया की ढाणी निवासी अनुसूचित जाति की महिला सुशीला देवी के नाम वर्ष 2023 में कैटल शेड योजना स्वीकृत हुई थी। परिवार को उम्मीद थी कि इस योजना से पशुपालन को मजबूती मिलेगी और आर्थिक स्थिति सुधरेगी, लेकिन योजना अब उनके लिए परेशानी और कर्ज का कारण बन गई है।

पंचायत के कहने पर शुरू कराया निर्माण, बीच में छोड़ दिया काम

पीड़ित परिवार का आरोप है कि ग्राम पंचायत के निर्देश पर कैटल शेड के लिए नींव खुदवाई गई और डस्ट-पत्थर डलवाकर निर्माण कार्य शुरू कराया गया। मजदूरी और मिस्त्री का खर्च उठाने के लिए परिवार ने उधार लेकर काम शुरू कर दिया। करीब चार फीट तक दीवार निर्माण होने के बाद अचानक काम बंद हो गया और पंचायत की ओर से कोई सहयोग नहीं मिला।

बकरियां बिकीं, कर्ज बढ़ा, अब पशुपालन भी संकट में

पहले यह परिवार पशुपालन कर किसी तरह अपना गुजारा चला रहा था, लेकिन कैटल शेड योजना के अधूरे निर्माण और भुगतान नहीं मिलने से परिवार आर्थिक संकट में फंस गया। मजदूरी का भुगतान करने के बाद अब परिवार पर अतिरिक्त कर्ज का बोझ भी बढ़ गया है। ग्रामीणों के अनुसार कैटल शेड निर्माण के लिए करीब डेढ़ लाख रुपए की राशि स्वीकृत होती है, लेकिन लाभार्थी को उसका लाभ नहीं मिल पाया।

परिवार का कहना है कि निर्माण कार्य की राशि खाते में आने का भरोसा दिलाया गया था, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें योजना की स्वीकृत राशि नहीं मिली। मजदूरों और मिस्त्रियों की मजदूरी चुकाने के लिए मजबूर होकर परिवार को अपनी बकरियां तक बेचनी पड़ीं।

ग्रामीणों में रोष, निष्पक्ष जांच की मांग

ग्रामीण रामनिवास लादी सहित कई लोगों ने आरोप लगाया कि पंचायत स्तर पर गरीब परिवारों के साथ योजनाओं के नाम पर धांधली की जा रही है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच करवाकर पीड़ित परिवार को स्वीकृत राशि दिलाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे तो गरीब परिवारों की स्थिति सुधर सकती है, लेकिन भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उदासीनता के कारण सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित होकर रह जाती हैं।

व्यवस्था पर बड़ा सवाल

राजोता ग्राम पंचायत का यह मामला केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि उन हजारों ग्रामीण गरीबों की हकीकत को उजागर करता है जो सरकारी योजनाओं पर भरोसा कर अपने सपने संजोते हैं, लेकिन भ्रष्ट तंत्र और लापरवाही के कारण उनका भरोसा टूट जाता है। गरीब पशुपालक आज भी अधूरे कैटल शेड और खाली बैंक खाते को देखकर सरकारी सहायता का इंतजार कर रहा है।

नई तकनीकों से ब्लड कैंसर का इलाज संभव

वर्ल्ड ब्लड कैंसर डे पर डॉक्टर ने कहा-बार-बार बुखार, खून की कमी के लक्षण को नहीं करें इग्नोर

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । अगर इलाज के बाद भी आपको बार-बार बुखार आ रहा है। शरीर में कमजोरी आ रही है। शरीर में खून की कमी है। हाथ-पांव में कमजोरी महसूस हो रही है, तो इन लक्षणें को इग्नोर नहीं करें। अगर इलाज के बाद भी ये लक्षण ठीक नहीं हों तो ये ब्लड में कैंसर सेल की शुरुआत का अलर्ट हो सकता है। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल (बीएमसीएच) के ब्लड कैंसर और बीएमटी विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने यह बात कही। आज वर्ल्ड ब्लड कैंसर डे है। इस पर डॉ. शेखावत ने बताया- कार-टी सेल थैरेपी और बोनमैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से ब्लड कैंसर और ब्लड से जुड़ी दूसरी गंभीर बीमारियों के इलाज हो रहे हैं। इसके रिजल्ट अच्छे आ रहे हैं।

नई तकनीकों में ऐसे होता है इलाज

डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बताया- कार-टी सेल थैरेपी में मरीज की प्रतिरक्षा कोशिकाओं (टी-सेल) को विशेष तकनीक से कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर नष्ट करने के लिए तैयार किया जाता है। वहीं बीएमटी के जरिए रोगग्रस्त बोनमैरो को स्वस्थ स्टेम सेल्स से रिप्लेस किया जाता है। यह इलाज ल्यूकीमिया, लिम्फोमा, मल्टीपल मायलोमा, थैलेसीमिया और एप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रोगों में उपयोगी है।

चिड़ावा में वीर सावरकर जयंती पर संगोष्ठी आयोजित, युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

गर्ल्स पॉवर महिला मंडल चिड़ावा द्वारा माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार वीर सावरकर जयंती के अवसर पर शेखावाटी कोचिंग परिसर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वीर सावरकर के जीवन, विचारों एवं राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मंडल संस्थापिका पूजा शर्मा ने बताया कि युवाओं को देशहित, सामाजिक जागरूकता एवं संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से इस आयोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य बौद्धिक वक्ता एवं मुख्य अतिथि समाजिक कार्यकर्ता मनोज स्वामी रहे। वहीं वरिष्ठ सर्जन डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा एवं सीताराम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। संगोष्ठी में युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए। इनमें राहुल, साहिल, हर्ष, दीपिका, दिव्य, दीपक एवं मनोज शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन निर्मल शर्मा ने किया। अंत में 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। मंडल सदस्या नितिका कुमारी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा मंत्री के तानाशाहपूर्ण रवैये के खिलाफ लामबंद हुए राज्य के सभी शिक्षक संगठन

14 जून को होने वाली आगामी बैठक में आंदोलन की रणनीति होगी तय

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के तानाशाहीपूर्ण रवैये को लेकर राजस्थान के सभी शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक शिक्षक भवन, लाल कोठी स्कीम, जयपुर में अखिल राजस्थान विद्यालय शिक्षक संघ (अरस्तु) के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) द्वारा शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर रामगंजमंडी में शांतिपूर्ण व लोकतांत्रिक तरीके से निकाली गई शिक्षक रैली को लेकर शिक्षा मंत्री द्वारा अपने कार्यकर्ता के मार्फ़त पुलिस थाने में दर्ज करवाई गई रिपोर्ट की कड़ी निन्दा करते हुए निन्दा प्रस्ताव पारित किया व एफआईआर वापस लेने की मांग की। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शिक्षा मंत्री की तानाशाही व नकारात्मक रवैये से राज्य में शिक्षा, शिक्षार्थियों व शिक्षकों का बहुत नुकसान हो रहा है।इसको लेकर आंदोलन की आगामी रणनीति तय करने के लिए सभी शिक्षक संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों की 14 जून को जयपुर में पुनः बैठक रखी गई है। बैठक में शिक्षक संघ अरस्तु के रामकृष्ण अग्रवाल, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के अंजनी कुमार शर्मा, राजस्थान अध्यापक संघ टीजीटी के राधा मोहन मीणा, राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद के डॉ पंकज ओसवाल, शिक्षक पदोन्नति संघर्ष समिति के रूप सिंह मीणा, प्रबोधक संघ के कैलाश दादरवाल, राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के गिरिराज शर्मा, राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के सियाराम शर्मा,वीरेन्द्र शर्मा एवं हेमंत कुमार जांगिड़ सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे। संस्कृत शिक्षा विभागीय समिति संघ,पंचायती राज शिक्षक संघ, विशेष शिक्षा शिक्षक संघ, राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर),शिक्षक संघ रेस्टा आदि ने बैठक में पारित प्रस्तावों पर फोन पर अपनी सहमति प्रदान की।

खेतड़ी क्षेत्र में ईद उल जुहा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी क्षेत्र में ईद उल जुहा का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। कुर्बानी के इस पर्व पर मुस्लिम समाज के लोगों ने शहर की ईदगाह में सामूहिक नमाज अदा कर देश व प्रदेश में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज कारी मोहम्मद आरिफ इमाम ने अदा करवाई। इस अवसर पर कारी मोहम्मद आरिफ ने समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देते हुए सभी लोगों से मिलजुल कर रहने की अपील की। ईद के मौके पर हिंदू-मुस्लिम भाइयों ने एक-दूसरे को गले लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं, जिससे क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव का सुंदर उदाहरण देखने को मिला।शहर के बाजारों में भी ईद को लेकर विशेष रौनक रही। लोग खरीदारी करते नजर आए तथा बच्चों में भी खास उत्साह दिखाई दिया। पर्व को लेकर लोगों में खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में पार्षद लीलाधर सैनी, पंकज शास्त्री, हारुण, डॉ. मोहम्मद सादीक सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

शरीर को जर्जर कर सकती है इस विटामिन की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन से भरपूर आहार लेना जरूरी है। अगर किसी एक विटामिन की कमी हो जाए तो इससे पूरी बॉडी पर असर पड़ता है। धीरे-धीरे रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगती है और शरीर बीमारियों का घर बना जाता है। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी सबसे जरूरी है। जो हमारे शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है और उसे मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। अगर शरीर में विटामिन सी की कमी (Vitamin C Deficeieny) हो जाए तो इससे आप जल्दी बीमार पड़ने लगते हैं। मामूली सर्दी जुकाम भी शरीर पर असर दिखाने लगता है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण बाल टूटने लगते हैं। हड्डियां कमजोर हो जाती है और चेहरे पर अर्ली एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। विटामिन सी की कमी ओरल हेल्थ यानि आपके दांत और मसूड़ों को भी प्रभावित करती है। यानि शरीर में विटामिन सी कमी होने पर पूरा ढांचा ही खराब होने लगता है।

आप विटामिन सी की कमी के लिए कुछ खास चीजें अपनी डाइट में शामिल करें। जिससे शरीर को रोजाना की विटामिन सी की जरूरतों को पूरा करने में आसानी हो। खाने-पीने में ऐसी कई चीजें है जो आपकी विटामिन सी की डेली नीड्स को पूरा कर सकती हैं। आइये जानते हैं विटामिन सी से भरपूर भोजन क्या है? किन चीजों में विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है?

विटामिन सी से भरपूर चीजें

आंवला- विटामिन सी के लिए आवला को सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है। आंवला में भरपूर विटामिन सी पाया जाता है। डेली किसी भी तरह 1 आंवला खाने की कोशिश करें। एक मीडियम साइज का आंवला खाने से 600- 700 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है। आप रोजाना आंवला का जूस, आंवला पाउडर, आंवला का अचार या आंवला की चटनी खा सकते हैं।

अमरूद- ज्यादातर लोगों को लगता है कि सिर्फ खट्टी चीजों में ही विटामिन सी सबसे ज्यादा पाया जाता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। फलों में अमरूद विटामिन सी से भरपूर माना जाता है। एक मीडियम साइज का अमरूद रोजाना खाने से करीब 228 मिलीग्राम विटामिन ष्ट मिलता है। इसलिए डाइट में अमरूद जरूर शामिल करें।

कीवी- फलों में रोजाान कीवी खाने से भी विटामिन सी की कमी को दूर किया जा सकता है। इसलिए रोजाना 1 कीवी जरूर खाया करें। 1 कीवी में लगभग 92 मिलीग्राम विटामिन सी होता है। जिससे आपको डेली की जरूरतों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं।

पपीता- लगभग 1 कप पपीता खाने से शरीर को 88 मिलीग्राम विटामिन सी मिल जाता है। इसलिए पपीता को डेली डाइट में शामिल करें। पपीता गर्मियों में पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है और इससे शरीर को दूसरे जरूरी विटामिन भी मिल जाते हैं। पपीता खाने से विटामिन सी की कमी दूर हो सकती है।

संतरा और नींबू- विटामिन सी के लिए संतरा, मौसमी और नींबू को भी बहुत अच्छा माना जाता है। सिट्रिक फ्रूट्स में विटामिन सी पाया जाता है। रोजाना एक मीडियम संतरा खाने से शरीर में 70 मिलीग्राम विटामिन सी पहुंचता है। आप संतरा का जूस भी पी सकते हैं। वहीं 100 ग्राम नींबू खाने से भी करीब 50-60 मिलीग्राम विटामिन सी शरीर को मिलता है।

किन लोगों को मट्ठा पीने से परहेज करना चाहिए?

गर्मियों के मौसम में लोगों को छाछ पीना काफी पसंद होता है। छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाने का काम करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छाछ आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकती है? कुछ लोगों को छाछ को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाने से बचना चाहिए वरना उनकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। आइए छाछ पीने के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

गले से जुड़ी समस्या

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक अगर आप सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी गले से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो आपको छाछ का सेवन करने से बचना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि छाछ की तासीर ठंडी होती है। यही वजह है कि खांसी-जुकाम में छाछ पीने की वजह से आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है।

एक्जिमा का शिकार लोग

अगर आपको एक्जिमा है, तो आपको छाछ को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए। छाछ में मौजूद कुछ तत्व आपकी त्वचा की सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। एक्जिमा का शिकार लोगों को मट्ठा पीने से त्वचा पर जलन, खुजली या फिर लालपन जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंट

क्या आप लैक्टोज इनटॉलेरेंट हैं? अगर हां, तो आपको छाछ नहीं पीनी चाहिए वरना आपकी तबीयत खराब हो सकती है। लैक्टोज इनटॉलेरेंस की समस्या से जूझ रहे लोगों को छाछ या फिर दूध से बनी चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। इस तरह के लोग दूध को सही तरीके से डाइजेस्ट नहीं कर पाते जिसकी वजह से उनकी गट हेल्थ बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

अगर आप भी इस तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको छाछ पीने से बचना चाहिए वरना आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गर्मियों में पेट के लिए वरदान है सौंफ

खाते ही जलन-एसिडिटी को करता है दूर

गर्मियों में पेट से जुड़ी समस्याएं काफी परेशान करती हैं। जरा सा तेल मसालेदार खाना खाने से ही जलन, गैस और एसिडिटी होने लगती है। ऐसा लगता है कि खाने में सिर्फ ठंडी चीजों को ही शामिल करें। खाने के बाद जिनको ज्यादा ब्लोटिंग होती है उन्हें डाइट में कुछ घरेलू चीजों को शामिल करना चाहिए, जिससे गैस एसिडिटी कम हो। रसोई में रखी ऐसी कई चीजें हैं जिन्हें खाने से पेट की जलन और गैस एसिडिटी को कम किया जा सकता है। इसके लिए सौंफ बेहतरीन मसाला है। सौंफ खाने से पेट ठंडा रहता है। गर्मियों में खाने के बाद 1 चम्मच सौंफ खाने से डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं नहीं होती हैं। जानिए कब और कैसे करें सौंफ का इस्तेमाल?

पेट की जलन दूर कर देगा ये मसाला

गर्मियों में सौंफ का सेवन जरूर करना चाहिए। सौंफ की तासीर ठंडी होती है। गर्मियों में कई ड्रिंक्स और दूसरी डिश में सौंफ का उपयोग किया जाता है। आप सुबह खाली पेट सौंफ का पानी पी सकते हैं। इससे पेट को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। गैस एसिडिटी को भी सौंफ खाकर दूर किया जा सकता है।

कैसे करें सौंफ का सेवन

सौंफ को खाने के बाद ऐसे ही चबाकर खा सकते हैं। सौंफ और मिश्री मिलाकर भी खा सकते हैं। सौंफ को पीसकर पाउडर बना लें। पानी के साथ 1 चम्मच सौंफ का पाउडर खा लें। आप चाहें तो सौंफ का पानी भी पी सकते हैं। एसिडिटी बहुत ज्यादा बनने वालों को सुबह खाली पेट कुछ दिनों सौफ का पानी पीना चाहिए।

सौंफ के फायदे

सौंफ का सेवन करने से पाचन मजबूत होता है। सौंफ में फाइबर भरपूर होता है जिससे डाइजेशन में मदद मिलती है।

सौंफ लिवर के लिए भी अच्छी मानी जाती है। सौंफ का सेवन करने से लिवर डिटॉक्स होता है। इससे शरीर में जमा गंदगी साफ हो जाती है।

सौंफ खाने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है। शरीर पर जमा फैट कम होने लगता है।

पुरानी कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए सौंफ का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। कब्ज से परेशान लोगों को सौंफ जरूर खानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने में भी सौंफ मदद करती है। इससे बीपी कंट्रोल होगा और दिमाग भी शांत होगा।

सौंफ का सेवन फीड कराने वाली महिलाओं के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है।

फायदेमंद होता है धनिए का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पत्तियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

गर्मियों में ककड़ी खाने के फायदे

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

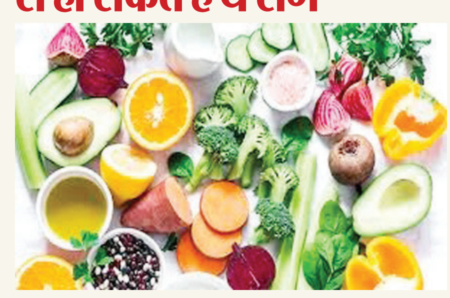

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

एडवोकेट केके सैनी के नेतृत्व में नीट स्टूडेंट प्रदीप मेघवाल के परिवार को न्याय के लिए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । नीट स्टूडेंट स्व प्रदीप मेघवाल सुसाइड प्रकरण की न्यायिक जांच करवाकर व न्याय दिलाने के लिए एडवोकेट के के सैनी उदयपुरवाटी के नेतृत्व में पूर्व अशोक गहलोत से उदयपुरवाटी के दर्जनों लोगों ने मुलाकात कर मांग पत्र के रूप में ज्ञापन पत्र दिया। इस दौरान पूर्व सरपंच बुद्ध राम बजावा , पूर्व महासचिव राजेश बागोली ने स्व .प्रदीप मेघवाल की संपूर्ण घटनाक्रम व पारिवारिक की अत्यंत गरीब आर्थिक स्थिति से अवगत कराकर राज्य सरकार व केंद्र सरकार को रिमाइंडर लैटर भेजकर,स्व प्रदीप मेघवाल के परिवार जनों को न्याय दिलाने की मांग रखी। राकेश जमालपुरिया,सीता राम व मोहनलाल ने भी प्रदीप मेघवाल प्रकरण में अपनी अपनी बात कही। आमजन के मांग पत्र अनुसार रिटायर्ड जज वगैरह के नेतृत्व में विशेष जांच कमेटी का गठन कर प्रदीप मेघवाल सुसाइड केस के संपूर्ण प्रकरण में पोस्ट मार्टम के दौरान प्रशासन, पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए दुर्व्यवहार ,प्रशासन को शामिल करते हुए निष्पक्ष जांच करवाना।

इस गरीबी रेखा से नीचे के परिवार को तुरंत दो करोड़ का आर्थिक पैकेज की सहायता, तीनों बहिनों की निःशुल्क पढाई व्यवस्था, पक्का मकान बनवाने, पिता राजेश मेघवाल को सरकारी नोकरी देना, एवं भविष्य में ऐसी नीट जैसी परीक्षा सुव्यवस्थित करवाने हेतु कठोरतम कानून क़ायदे हेतु अलग कमेटी गठित कर कारावास जैसे कठोरतम नियम कानून क़ायदे बनना।इस दौरान उक्त के अलावा राकेश जमालपुरिया, मोहन लाल, दोलत महराणिया, मन्नी राम मेघवाल, पवन तंवर, फुल चंद मिस्त्री, सीता राम भूरा राम, ओम प्रकाश,महेश, राकेश, नानू नेताजी, बीरबल,रूडा राम, मुरारी आदि दर्जनों व्यक्ति उपस्थित रहे। इससे पूर्व ज्ञापन पत्र की एक एक प्रतिलिपि भजन लाल शर्मा,माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, राज.-सरकार,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, व नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली के ओफिस में जाकर उनके अधिकारियों को ज्ञापन पत्र की प्रति सौंपीं।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में प्री-सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

डालमिया विद्या मंदिर, इंदौर पब्लिक स्कूल और मेजबान जीवनी स्कूल रहे विजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित पांच दिवसीय सीबीएसई प्री-सुब्रतो कप (वेस्ट जोन) फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिलानी विधानसभा सदस्य पितराम काला, प्रधान शेरसिंह, सुरेश, सीबीएसई सुपरवाइजर अमित यादव, जीवनी एजुकेशन ग्रुप के चेयरपर्सन सांवरमल मील, सचिव भगवती मील और निदेशक रितेश मील के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। शैक्षणिक कार्यवाहक सुनील वर्मा ने बताया कि पांच दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों की टीमों के बीच कड़े मुकाबले खेले गए, जिसमें सभी खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। अंडर-15 बालक वर्ग में डालमिया विद्या मंदिर विजेता तथा जीवनी इंटरनेशनल स्कूल उप-विजेता रहा। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीवनी इंटरनेशनल स्कूल के यश को मिला, जबकि बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार डालमिया विद्या मंदिर के कियान को प्रदान किया गया।

अंडर-17 बालक वर्ग में इंदौर पब्लिक स्कूल, इंदौर विजेता तथा केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल, सीकर उप-विजेता रहा। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के रूप में केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल के आदिल को सम्मानित किया गया, जबकि बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार इंदौर पब्लिक स्कूल के काव्य पटेल को मिला।अंडर-17 बालिका वर्ग में मेजबान जीवनी इंटरनेशनल स्कूल, चिड़ावा विजेता रहा। शाह सतनाम विद्यालय, गंगानगर उप-विजेता तथा

देव विद्यालय, सीकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जैसमीन तथा बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार विशु को प्रदान किया गया। दोनों खिलाड़ी जीवनी इंटरनेशनल स्कूल की छात्राएं हैं। समापन समारोह के अवसर पर सभी विजेता, उप-विजेता और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों एवं खिलाड़ियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल सहित आकर्षक ट्रॉफियां प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर चेयरपर्सन सांवरमल मील ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेल के मैदान में हार-जीत चलती रहती है, लेकिन पूरे उत्साह और समर्पण के साथ खेलना ही असली सफलता है। सचिव भगवती मील ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंडावा में अकीदत और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा

ईदगाह में अदा हुई विशेष नमाज, मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली की मांगी दुआ

ईद-उल-अजहा पर मंडावा में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, हिंदू-मुस्लिम समाज ने मिलकर दिया सौहार्द और एकता का संदेश, प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । झुंझुनूं जिले के मंडावा कस्बे में गुरुवार को ईद-उल-अजहा यानी बकरा ईद का पर्व पूरे उत्साह, अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया गया। फतेहपुर रोड स्थित ईदगाह में सुबह 7:30 बजे मुस्लिम समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से ईद की विशेष नमाज अदा की। नमाज के बाद देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी गई। पूरे क्षेत्र में पर्व को लेकर उल्लास और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही ईदगाह परिसर में नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी थी। पारंपरिक परिधानों में पहुंचे लोगों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। नमाज से पूर्व मोहम्मद आमीन कारी ने तकरीर पेश करते हुए ईद-उल-अजहा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पर्व त्याग, बलिदान, सेवा और इंसानियत का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से समाज में प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने तथा गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। इसके बाद शहर काजी मोहम्मद इरशाद अहमद ने ईद की विशेष नमाज अदा कराई। नमाज के दौरान लोगों ने खुदा की बारगाह में सजदा कर देश और प्रदेश में सुख-शांति, तरक्की और भाईचारे की दुआ मांगी। नमाज के समापन के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। ईदगाह परिसर में इस दौरान सामाजिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब का अनूठा दृश्य देखने को मिला। पूर्व पालिकाध्यक्ष सजन मिश्रा, पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी सहित हिंदू समाज के कई गणमान्य लोग भी ईदगाह पहुंचे और मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दोनों समाजों के लोगों ने आपसी प्रेम और एकता का संदेश दिया। त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। सीआई रामनारायण चोयल के नेतृत्व में एसआई महेश कुमार, सुरेंद्र राजेश सहित अतिरिक्त पुलिस जाब्ता ईदगाह परिसर और शहर के प्रमुख स्थानों पर तैनात रहा। प्रशासन द्वारा लगातार व्यवस्थाओं पर नजर रखी गई ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। मंडावा में ईद-उल-अजहा का पर्व एक बार फिर आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और एकता का संदेश देकर गया, जहां सभी समुदायों के लोगों ने मिलजुलकर त्योहार मनाया और देश में अमन व खुशहाली की दुआ मांगी।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक का पैर टूटा, मंडावर थाने में मामला दर्ज

नांगल मीणा के पास हुआ हादसा, घायल को पहले मंडावर फिर दौसा रेफर किया गया, ऑपरेशन के बाद उपचार जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का मामला सामने आया है। नांगल मीणा गांव के पास एक कार चालक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में युवक का पैर टूट गया तथा शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं। मामले को लेकर घायल की पत्नी ने मंडावर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार अलवर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र स्थित पाटन का बास निवासी मीना देवी बैरवा पत्नी दुलीचंद बैरवा ने रिपोर्ट देकर बताया कि 17 मई 2026 को उसका पति दुलीचंद बैरवा मोटरसाइकिल नंबर आरजे 02 एलबी 6408 से अपने ससुराल रामेड़ा, तहसील सिकराय जा रहा था। इसी दौरान शाम करीब साढ़े छह से सात बजे के बीच जब वह नांगल मीणा के पास पहुंचा तो महवा की ओर से तेज गति से आ रही कार नंबर एचआर 81 सी 6268 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी।

हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार दुलीचंद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शरीर पर कई जगह चोटें आईं तथा दाहिना पैर टूट गया। आसपास के लोगों की मदद से घायल को तत्काल सरकारी अस्पताल मंडावर पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलने पर उसकी पत्नी मीना देवी एवं ननद अनीता बैरवा अस्पताल पहुंचीं। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने घायल को दौसा रेफर कर दिया, जहां पैर का ऑपरेशन किया गया और फिलहाल उसका उपचार जारी है। मंडावर थाना पुलिस ने पीडिता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की तफ्तीश एएसआई वीरेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

गौसेवा को मिला नया आयाम: बीमार और दुर्घटनाग्रस्त गौवंश के लिए आधुनिक अस्पताल का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मुकुंदगढ़ रोड स्थित कामधेनु निराश्रित गौसेवा समिति परिसर में गुरुवार को बीमार, निराश्रित एवं दुर्घटनाग्रस्त गौवंश की सेवा के लिए बनाए गए अस्पताल का भव्य उद्घाटन नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा किया गया। विशेष बात यह रही कि इस अस्पताल का निर्माण अधिशासी अधिकारी ने अपने निजी आर्थिक सहयोग से करवाया, जिससे गौसेवा के प्रति उनकी संवेदनशीलता और समर्पण स्पष्ट दिखाई दिया। उद्घाटन समारोह के दौरान अधिशासी अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत ने फीता काटकर तथा अनावरण पट्टिका से पर्दा हटाकर अस्पताल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गौपूजन से हुई। पंडित करण शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना करवाई, जिसमें गौमाता को गुड़, हरा चारा एवं अन्य प्रसाद अर्पित किया गया। गौमाता को चुनरी ओढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसके साथ ही टीकमदास आश्रम के प्रथम पूज्य भैरवनाथ बाबा का पूजन कर उनका आशीर्वाद भी लिया गया।

समिति के अध्यक्ष किशोर चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में घायल एवं बीमार गौवंश के उपचार के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां गौवंश के लिए रेम्प, चारे की लहास, पानी की खेल सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं बनाई गई हैं, ताकि उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। अपने संबोधन में अधिशासी अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि समिति के कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से गौसेवा में जुटे हुए हैं और उनके सेवा कार्यों को देखकर ही इस अस्पताल के निर्माण की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गौसेवा में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अस्पताल के शुरू होने से समिति को काफी राहत मिलेगी और घायल गौवंश को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर समिति के कार्यकर्ताओं ने अधिशासी अधिकारी का गौमाता की प्रतिमा एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नगर पालिका के आनंद सोलंकी, सत्यनारायण बावलिया, सुरजीत, विजेंद्र, पूर्णमल, नरेंद्र, भाजपा के संदीप शर्मा, सत्यनारायण इंदौरिया, संजय परिहार, कैलाश पीपलवा, बलदेव थलिया, भंवरपाल धाभाई, राकेश सहित समिति के रविंद्र शर्मा, सचिव मधुसूदन स्वामी, कोषाध्यक्ष राकेश स्वामी, सदस्य कृष्ण जांगिड़, हैप्पी सैनी, कृष्णा, अमूल्य, प्रकाश स्वामी, सुरेंद्र सुरोलिया, वंश माथुर, गजेंद्र सिंह, मोहनलाल, विक्रम, विकास, करण शर्मा, नरेगा मेट जगदम्बा, सुरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में समिति अध्यक्ष किशोर चौहान ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया तथा सभी को मिठाई वितरित की गई।

वाहिदपुरा विद्यालय का एनएमएमएस में जलवा, 9 विद्यार्थियों ने हासिल की स्कॉलरशिप

झुंझुनू जिले में फिर अव्वल रहा वाहिदपुरा स्कूल, लगातार दूसरे वर्ष एनएमएमएस में शानदार सफलता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वाहिदपुरा, ब्लॉक मंडावा, जिला झुंझुनू के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा (एनएमएमएस) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम पूरे जिले और प्रदेश में गौरवान्वित किया है। विद्यालय के कुल 9 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में सफलता प्राप्त कर छात्रवृत्ति हासिल की है। विशेष बात यह रही कि सभी विद्यार्थी सामान्य श्रेणी में चयनित हुए हैं। विद्यालय ने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी झुंझुनू जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता को कायम रखा है। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9 से 12 तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें आगे की पढ़ाई में आर्थिक सहयोग मिलेगा। एनएमएमएस परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में मानसी पुत्री प्रदीप अग्रवाल, सोनू पुत्री प्रमोद कुमार, निशांत पुत्र बाबूलाल वर्मा, हंसराज पुत्र पवन सिंह, मनुराज सिंह पुत्र विक्रम सिंह, हर्षा पुत्री रणजीत सिंह, अनिल पुत्र मनीराम, मनीषा पुत्री बाबूलाल तथा दिनेश सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह शामिल हैं। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिसर सहित पूरे गांव में खुशी और उत्सव का माहौल बना हुआ है।

विद्यालय की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी झुंझुनू अशोक शर्मा की प्रेरणा, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंडावा पवन कुमार के मार्गदर्शन तथा पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी वाहिदपुरा एवं विद्यालय प्रधानाचार्य सुमन कुमारी के अथक प्रयासों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विद्यालय स्टाफ ने विद्यार्थियों के साथ निरंतर मेहनत और विशेष तैयारी करवाकर यह उपलब्धि हासिल की। विद्यालय द्वारा लगातार श्रेष्ठ परिणाम देने पर गांव के गणमान्य नागरिकों एवं अभिभावकों ने प्रधानाचार्य सुमन कुमारी और समस्त विद्यालय स्टाफ को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंडावा पवन कुमार ने भी विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की यह सफलता अन्य बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।प्रधानाचार्य सुमन कुमारी ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और विद्यालय स्टाफ की टीम भावना को देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

दस स्काउट टीचर्स ने माउंट आबू से अर्जित की एडवांस योग्यता

एडवांस कोर्स में सीखी स्काउट गाइड संगठन की विभिन्न स्किल

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में स्टेट एडवेंचर एवं ट्रेनिंग सेंटर माउंट आबू में सात दिवसीय कब स्काउट यूनिट लीडर एडवांस कोर्स एवं रोवर लीडर बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें झुंझुनू जिले से 10 यूनिट लीडर्स ने सहभागिता कर जिले का नाम रोशन किया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि कब यूनिट लीटर एडवांस कोर्स में जिले के नवलगढ़ के टोंक छिल्लरी से अमन कुमार, बुहाना ब्लॉक के साहिल मीणा, रोवर लीडर बेसिक कोर्स में नवलगढ़ के गणेश कुमार तथा स्काउट यूनिट लीडर एडवांस कोर्स में झुंझुनू से राजेश कुमार, अलसीसर से सुरेंद्र कुमार शर्मा, पिलानी से सुप्रितम सेनगुप्त, उदयपुरवाटी से महेंद्र कुमार सैनी, चिड़ावा से कुलदीप, नवलगढ़ से महेश सैनी एवं बलबीर दूत ने एडवांस कोर्स के पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण किया। माउंट आबू से यूनिट लीडर्स के झुंझुनू पहुंचने पर सीओ स्काउट महेश कालावत के नेतृत्व में जिले के पदाधिकारियों की शुभकामनाएं दी। इन 10 यूनिट लीडर्स के एडवांस कोर्स योग्यता अर्जित करने पर जिले में राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त करने वाले स्काउट की संख्या में बढ़ोतरी होगी और विद्यालय को अच्छे ट्रेनर मिल सकेंगें। राज्य स्तर पर कब मास्टर एडवांस कोर्स का संचालन नवलगढ़ के लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया ने किया।शिविर में स्काउट गाइड के एडवांसमेंट स्केल के साथ-साथ नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना ,सिंह सेल्यूट लोकगीत पायनियरिंग प्रोजेक्ट, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा, दिशा ज्ञान, कंपास, मानचित्र जैसे विभिन्न विषयों का गहनता से प्रशिक्षण दिया गया।

प्रज्ञा लाइब्रेरी के विद्यार्थियों ने लिया संकल्प, 24 हजार गायत्री चालीसा का करेंगे पाठ

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ।

गायत्री शक्तिपीठ नवलगढ़ में प 'सबको सद्बुद्धि, सबके उज्ज्वल भविष्य एवं आत्मकल्याण 'के लिए 24000 गायत्री चालीसा पाठ करने का संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। गायत्री परिवार नवलगढ़ द्वारा निःशुल्क संचालित प्रज्ञा लाइब्रेरी के विद्यार्थियों ने संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि गायत्री शक्तिपीठ परिसर में संचालित प्रज्ञा लाइब्रेरी आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए पूर्णतः निःशुल्क संचालित की जा रही है, जहाँ प्रतियोगी परीक्षाओं, सामान्य ज्ञान, आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी साहित्य की उत्कृष्ट व्यवस्था उपलब्ध है। कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा लाइब्रेरी की प्रभारी रंजना शर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गायत्री परिवार द्वारा विश्वभर में चलाए जा रहे सवा करोड़ गायत्री चालीसा पाठ अनुष्ठान के निमित्त विद्यार्थियों ने सामूहिक आगामी 24 जून 2026, गायत्री जयंती तक प्रतिदिन 9 गायत्री चालीसा पाठ करने का संकल्प लिया।

गायत्री परिवार नवलगढ़ ब्लॉक के समन्वयक एवं प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा ने अपने प्रेरक उद्बोधन में गायत्री मंत्र के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के निर्देशानुसार व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, राष्ट्र निर्माण एवं आत्मकल्याण के लिए गायत्री मंत्र अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से नैतिक, आध्यात्मिक एवं संस्कारित जीवन जीने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रभारी रंजना शर्मा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गायत्री उपासना व्यक्ति के भीतर सकारात्मकता, आत्मविश्वास एवं संस्कारों का विकास करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ-साथ आध्यात्मिक साधना से जुड़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में आशा गुर्जर ,खुशबू पवार, विनीता सैनी ,नीता सैनी ,बबली शर्मा पूनम मेहरिया, सोनू सैनी निकेश शर्मा, विनोद सैनी राम रतन गुर्जर सुनील सांखला वरुण शर्मा निरंजन सहित कई विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी विद्यार्थियों ने मानव कल्याण, सद्बुद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ सामूहिक संकल्प लिया। अंत में गायत्री मंत्र एवं प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

नेपाल प्रवासी उद्योगपति राकेश रूहेला के नेतृत्व में पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था कर दिया सेवा और संवेदना का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

भीषण गर्मी के दौर में पक्षियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करने के उद्देश्य से बुधवार को बगड़िया बाल विद्या निकेतन एवं श्री श्रद्धा नाथजी महाराज के आश्रम में परिंडे लगाए गए। यह सेवा कार्य युवा उद्योगपति एवं नेपाल प्रवासी बैरास निवासी राकेश कुमार रूहेला के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजित कार्यक्रम में राकेश रूहेला, विजय प्रताप महला, विनोद सेवदा (अलखपुरा बोगन), निकेतन सचिव पवन गोयनका, प्राचार्य विपिन शर्मा, शारीरिक शिक्षक रामस्वरूप सैनी, योग गुरु विमल पारीक सहित विद्यालय स्टाफ, विद्यार्थी एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। छोटी-छोटी सामाजिक पहल से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ जीव-जंतुओं की रक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने परिंडों में नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प लिया तथा आमजन से भी पक्षियों की सेवा के लिए आगे आने की अपील की।मानवीय संवेदनाओं से जुड़े इस आयोजन में खिलाड़ियों को गन्ने का जूस पिलाया गया तथा लड्डू वितरित कर सभी का उत्साहवर्धन किया गया। सेवा, पर्यावरण संरक्षण और जीव दया का संदेश देने वाला यह आयोजन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

तोदी कुई दुर्गा पूजा स्थल पर आयोजित श्रीराम कथा में उमड़ी श्रद्धा

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री तोदी कुई दुर्गा पूजा महोत्सव स्थल पर आयोजित राम कथा के चतुर्थ दिवस को राम-जन्म का संगीतमय वर्णन पूज्या प्रेमा सखी द्वारा किया गया। कथा में मां पार्वती की विवाह उपरांत विदाई प्रसंग, श्री गणेश- जन्म, समुद्र- मंथन कथा में माँ लक्ष्मी, शिव- विषपान कथा, पीपल-वट सहित वृक्षो के नीचे कचरा नही डालने- स्वच्छता संदेश आदि प्रसंग बताए गए। कथा में श्री राम-जन्म प्रसंग में श्रद्धालु झूम झूम कर नाचने लगे। कथा में आज बड़ी तादाद में भक्त पहुचे। इस अवसर पर श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज ने कथा के अंत मे सभी को आशीर्वचन दिए।कथा में पूर्व चेयरमैन दिनेश जी जोशी, पार्षद बिष्णु शर्मा, पत्रकार संदीप शर्मा, जुगालपुरा महंतश्री मुरारीलाल, व्यवसायी जयप्रकाश सरावगी,मनोज जाजोदिया, दीपक जाजोदिया, सुशील जाजोदिया, महेश, लेखाधिकारी रमाकांत मिश्रा, राकेश बजाज, मनोज पंसारी, संतोष दायमा, सुरेश बजाज, मनोहर दाधीच सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

मुस्लिम भाइयों ने हर्षोल्लास से मनाया ईद उल अजहा का त्यौहार

ईदगाह में मुस्लिम भाइयों ने की ईद उल अजहा की नमाज अदा

देश व प्रदेश में अमन चैन की मांगी दुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में गुरुवार को ईद उल अजहा का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया गया द्य शाकंभरी गेट के पास स्थित ईदगाह में गुरुवार को शहर काजी गुलाम रसूल द्वारा ईद की नमाज अदा करवाई गई द्य मुस्लिम भाइयों ने दिन भर एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद उल अजहा के मौके पर कस्बे में दिन भर मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा एक दूसरे लोगों को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गई द्य ईदगाह पर मुस्लिम भाइयों को ईद की मुबारक बाद देने वालों में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बीएल सैनी ,बलराम सैनी, मोहन सैनी, राकेश जमालपुरिया, एडवोकेट श्रवन सैनी, राधेश्याम रचेता कई लोग मौजूद रहें। इस मौके पर अकरम मुगल युवा नेता विधानसभा अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल कमेटी उदयपुरवाटी, मुर्तजा काजी, इकरामुद्दीन मुगल, माहिर खान, साजिद, इमरान, आसिफ, मुस्ताक, कुर्बान, जमील कुरैशी, बाशिर तेली, अनवर अली, अब्दुल रजाक ,अब्दुल अज़ीज़ कच्छावा, अमित कच्छावा, रफीक तेली, रफीक मनियर, बाबू लोहार , जमील, आरिफ, आजम, शौकत आगवान,सहित मुस्लिम समुदाय के कई लोग मौजूद रहे

नीमराना में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत जलदाय विभाग ने लगाई प्याऊ, जल संरक्षण का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । उपखंड नीमराना में जलदाय विभाग द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत गुरुवार को विशेष जल सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभाग ने सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ लगाकर राहगीरों को शीतल जल उपलब्ध कराया और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अभियान के तहत कर्मचारियों ने क्षेत्र के प्रमुख जलाशयों की साफ-सफाई की। साथ ही विभिन्न स्थानों से पेयजल के नमूने एकत्र कर उनकी गुणवत्ता की जांच भी की गई, ताकि आमजन को शुद्ध पेयजल मिल सके। अधिकारियों ने लोगों को जल की बर्बादी रोकने, वर्षा जल संग्रहण और भूजल स्तर बढ़ाने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में अधिशासी अभियंता रामकिशोर यादव, सहायक अभियंता रामवीर वर्मा, कनिष्ठ अभियंता लोविंस गुप्ता, कनिष्ठ सहायक दिनेश यादव मौजूद रहे। इनके साथ सुभाष, राजसिंह, प्रताप सिंह, राधेश्याम पंडित, मनोज कुमार योगी, कृष्ण कुमार शर्मा सहित जलदाय विभाग के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

अधिशासी अभियंता रामकिशोर यादव ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को जल के महत्व से जोड़ना है। गर्मी के मौसम में प्याऊ लगाना सेवा का माध्यम है, जबकि जलाशयों की सफाई और जल जांच से भविष्य की पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित होती है। विभाग ने आमजन से अपील की कि वे जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। नल खुले न छोड़ें, टपकते नलों को ठीक कराएं और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दें। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और जल बचाने का संकल्प लिया।

अटेली सब डिवीजन में ट्रांसफार्मर लोडिंग सुविधा नहीं, उपभोक्ता परेशान

बढ़ते तापमान से बिजली व्यवस्था पर दबाव, मई में 20 तक ट्रांसफार्मर जले

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । गर्मी का उच्चतम तापमान बना हुआ है, ऐसे में हर घर में बिजली के उपभोक्ता अपने स्वीकृत लोड से अधिक लोड चला रहे है। जिससे आये दिन बिजली निगम के ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त हो रहे है। अटेली में दो साल से ट्रांसफार्मर बैंक तो स्थापित कर दिया लेकिन निगम द्वारा ट्रांसफार्मर ट्राली ट्रांसफार्मर लोडिंग व अनलोडिंग की यंत्र मुहैया नहीं कराया है। तापमान लगातार बढ़ रहा है। पिछले तीन दिनों में तो 44 से 46 डिग्री के आस-पास होने से बिजली आपूर्ति की मांग बढ़ी हुई है। जिसको पूरा करने के लिए निगम के कर्मचारियों को भीषण गर्मी में अपनी जान जोखिम में डालकर भी उपभोक्ताओं की बढ़ी हुई मांग को पूरा कर रहे है। भंयकर गर्मी के मौसम में जले ट्रांसफार्मर बदलना बिजली निगम के लिए बना आफत बना हुआ है। जानकारी के अनुसार मई माह में करीब 15 से 20 ट्रांसफार्मर जल चुके है। इन जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए अटेली सब डिविजन में कोई विशेष सुविधा नहीं है। अटेली उपमंडल कार्यालय के अंतर्गत करीब 46 गांव आते है तथा करीब 26 हजार बिजली उपभोक्ता है। उपमंडल के अंतर्गत करीब 2 हजार हजार ट्रांसफार्मर है जो आये दिन जलते रहते है। जिसमें से जले हुए ट्रांसफार्मर को उतारने व चढ़ाने के लोझ्क्षरंग आदि की सुविधा नहीं है। नाम न छापने की शर्त पर अटेली सब डिवीजन के कर्मियों ने बताया कि जड़े हुए ट्रांसफार्मरों के लिए कोई लोडिंग व अनलोडिंग की सुविधा नहीं है। जले हुए ट्रांसफार्मर को उतारने के लिए लोरिंग मशीन के अतिरिक्त चेन कुपी की जरूरत पड़ती है। अगर निगम के पास स्वयं की लोडिंग व अनलोडिंग करने की सुविधा हो तो उपभोक्ताओं को समय बिजली समय पर बिजली आपूर्ति हो सकती है। बिजली उपभोक्ताओं की निगम के शीर्ष अधिकारियों से मांग है कि अटेली सब डिवजन में ट्रांसफार्मर लोडिंग व अनलोडिंग की सुविधा मुहैया करवाई जाये। जले ट्रांसफार्मर को ठीक करने वाले के लिए निगम की प्राइवेट का सहारा लेना पड़ता है, इसमें खराब ट्रांसफार्मर को ठीक करने में देरी होती है तथा उपभोक्ताओं को बिजली कट का सामना करना पड़ता है।

इनका कहना है:

इस बारे में निगम के शीर्ष अधिकारियों को अवगत कराया हुआ है, निगम नारनौल ये दूसरे स्थानों से ट्राली या लोडिंग अनलोडिंग मशीन के माध्यम से जले ट्रांसफार्मरों को ठीक करता है। अटेली बिजली निगम अपने तकनीकी कर्मियों के बदलोत बेहतर बिजली मुहैया करवा रहा है।

दीपक कुमार, अटेली बिजली निगम के एसडीओं।

झड़ाया में 17 जून से आयोजित होगा 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ

गुजरात के सूरत शहर में प्रतिनिधिमंडल का हुआ जोरदार स्वागत

यज्ञ सेवा समिति के सदस्य इन दोनों है गुजरात के दौरे पर

सूरत के सफल दौरे के बाद प्रतिनिधिमंडल कल पहुंचेगा भरूच या अहमदाबाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.झड़ाया

सुमेर मीणा । झड़ाया में 17 जून से 25 जून तक आयोजित होने वाले 108 कुंडली श्री राम महायज्ञ को लेकर जहां देश-विदेश में गूंज सुनाई देने लगी है वहीं यज्ञ सेवा समिति का एक प्रतिनिधिमंडल मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008सीताराम दास महाराज के सानिध्य में गुजरात के दौरे पर है द्य सूरत में राजस्थानी प्रवासियों द्वारा यज्ञ सेवा समिति का दुपट्टा पहना कर जोरदार स्वागत किया गया द्य सूरत में कैलाश चंद जांगिड़ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुजरात अखिल भारतीय जांगिड़ समाज ,मनोज गोयल, दीपचंद गोयल, अनिल ,सुनील, अमन गोयल ,कैलाश, भंवरलाल, प्रमोद जांगिड़, कान सिंह, एकलिंग जांगिड़ के द्वारा झड़ाया बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज एवं समिति के सदस्यों का जोरदार सम्मान एवं अभिनंदन किया गया द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात के सूरत शहर में सफल दौरे के बाद कल उनका अगला पड़ाव भरूच या अहमदाबाद में होगा द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया के अनुसार गुजरात के सूरत शहर के सफल दौरे के बाद आज गुजरात के भरूच या अहमदाबाद में मारवाड़ी प्रवासियों को यज्ञ सेवा समिति की तरफ से पीले चावल देकर न्योता दिया जाएगा एवं पोस्टर का विमोचन कर यज्ञ में आने के लिए आमंत्रित किया जाएगा द्य आपको बता दे कि गुजरात के दौरे पर गए प्रतिनिधि मंडल में झड़ाया बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, महादेव जांगिड़, गोविंद जांगिड़ गुजरात के दौरे पर है

जैतपुर धाम में खाटू श्याम की तर्ज पर बना भव्य श्याम कुंड, उद्घाटन की तैयारियां अंतिम दौर में

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेश चन्द । प्राचीन श्री श्याम मंदिर जैतपुर धाम के समीप खाटू श्याम धाम की तर्ज पर निर्मित भव्य श्याम कुंड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में बने इस कुंड के उद्घाटन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। श्याम भक्तों में इस नई धार्मिक धरोहर को लेकर खासा उत्साह और श्रद्धा का माहौल है। मंगलवार को महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज तथा श्री श्याम सेवा समिति जैतपुर धाम के अध्यक्ष प्रधान ताराचंद यादव ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने समिति पदाधिकारियों को उद्घाटन समारोह को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सरपंच प्रतिनिधि मोहित यादव, सचिन दास महाराज, समिति के सदस्य एवं कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने इस श्याम कुंड को जैतपुर धाम के धार्मिक एवं सांस्कृतिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। समिति अध्यक्ष प्रधान ताराचंद यादव ने बताया कि महामंडलेश्वर रामेश्वर दास महाराज ने निजी कोष से आमजन और श्याम भक्तों की सुविधा के लिए इस भव्य श्याम कुंड का निर्माण कराया है। खाटू धाम की तर्ज पर बना यह कुंड श्रद्धालुओं की आस्था को और मजबूती देगा तथा दूर-दराज से आने वाले भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। समिति द्वारा उद्घाटन समारोह को यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। परिसर की साजसज्जा, बैठक व्यवस्था और जलापूर्ति समेत सभी प्रबंधों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। भक्तों का मानना है कि यह श्याम कुंड आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक अनुभव का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा।

नीट पेपर लीक और महंगाई के खिलाफ मुंडावर में 29 मई को पैदल मार्च

विधायक ललित यादव सौंपेंगे मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेश चंद । नीट पेपर लीक, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर मुंडावर में 29 मई को बड़ा जन आंदोलन आयोजित किया जाएगा। विधायक ललित यादव के नेतृत्व में सुबह 8:30 बजे पंचायत समिति स्थित अंबेडकर भवन से पैदल मार्च निकाला जाएगा तथा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इस मार्च का मुख्य उद्देश्य छात्रों और आमजन की आवाज को सरकार तक पहुंचाना है। नीट पेपर लीक प्रकरण से लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। वहीं पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम, रसोई का बिगड़ता बजट, शिक्षित युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और भुखमरी जैसे हालातों ने आमजन को परेशान कर रखा है। मार्च के माध्यम से सरकार के समक्ष कई प्रमुख मांगें रखी जाएंगी। इनमें नीट पेपर लीक की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, पेट्रोल-डीजल के दाम कम कर महंगाई पर नियंत्रण, शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना, भुखमरी रोकने के लिए ठोस कदम उठाना तथा भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई कर जनता को राहत देना शामिल है।

विधायक ललित यादव ने कहा कि अब चुप बैठने का समय नहीं है। युवाओं के अधिकार और जनता की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों से 29 मई को अधिक से अधिक संख्या में अंबेडकर भवन पहुंचकर इस आंदोलन में भाग लेने की अपील की। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि यह पैदल मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा तथा ज्ञापन के माध्यम से सरकार को जनता की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा।

दायित्वों की नई डोर संभालेगा भारत विकास परिषद, मंडावर में 31 मई को जुटेगा सामाजिक सरोकारों का कारवां

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे में सामाजिक चेतना, संगठनात्मक मजबूती और सेवा संस्कारों की नई इबारत लिखने जा रहा भारत विकास परिषद शाखा मंडावर का दायित्व ग्रहण समारोह आगामी 31 मई, रविवार को गढ़ रोड स्थित खंडेलवाल धर्मशाला में आयोजित होगा। शाम 5:30 बजे से शुरू होने वाले इस गरिमामयी समारोह में सत्र 2026-27 की नई कार्यकारिणी विधिवत दायित्व ग्रहण करेगी। परिषद कार्यकर्ताओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच चुकी हैं। समारोह में महवा विधायक राजेन्द्र मीना मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे, जबकि भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल मुख्य वक्ता के तौर पर संगठन की भावी दिशा, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्र निर्माण में परिषद की भूमिका पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष हेमंत गर्ग करेंगे। परिषद पदाधिकारियों का कहना है कि यह आयोजन केवल दायित्व हस्तांतरण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि समाजसेवा, संगठन विस्तार और संस्कार आधारित जनजागरण की नई रणनीति तय करने वाला महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

परिषद अध्यक्ष नरेश बंसल ने बताया कि मंडावर शाखा वर्षों से सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना के साथ क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाती रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नई कार्यकारिणी को जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। परिषद सचिव अनंत कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता सहित समस्त सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। आयोजन में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, व्यापारी वर्ग और युवा कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

बढ़ती महंगाई, पेपर लीक व पेयजल संकट के खिलाफ कांग्रेस कल सौंपेगी ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार मंडावा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, नगर कांग्रेस कमेटी एवं ग्रामीण मंडल कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार 29 मई को विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर उपखंड अधिकारी मंडावा को ज्ञापन सौंपा जाएगा। पूर्व पालिकाध्यक्ष नरेश सोनी सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि देश में लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों, क्षेत्र में पेयजल किल्लत तथा नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों के विरोध में यह ज्ञापन दिया जाएगा। कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी एकत्रित होकर उपखंड कार्यालय पहुंचेंगे और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। कांग्रेस नेताओं ने अधिकाधिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन से कार्यक्रम में शामिल होकर जनहित के मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की है।

कलवाड़ी निवासी कांग्रेस नेता अनिल फांडन के चाचा राजेंद्र सिंह का निधन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र के गांव कलवाड़ी निवासी कांग्रेस नेता अनिल फांडन के चाचा राजेंद्र सिंह के आकस्मिक निधन पर शोक प्रकट करने के लिए कांग्रेस एससी सेल के प्रदेश महासचिव ओमप्रकाश मांडैया, जसवंत भाटी ने गुरुवार को उनके निवास पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेसी नेता जसवंत भाटी ने कहा कि राजेंद्र सिंह एक अच्छे टेलर के साथ भोले उपनाम से क्षेत्र में जाने जाते थे,वो सरल व सीधे स्वभाव के व्यक्ति थे। बता दें कि अनिल फांडन कांग्रेस पार्टी में एससी सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष है।

तिगरा में आर्य समाज का 60वां दो दिवसीय वार्षिक उत्सव 6 जून से

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । खंड के गांव तिगरा-भौड़ी में आर्य समाज का 60वां वार्षिक उत्सव आगामी 6 जून से 7 जून आयोजित किया जाएगा। दो दिवसीय धार्मिक एवं राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन धर्मवीर विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा। प्रधान मनोज आर्य ने बताया कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजनोपदेशक सहदेव बेधड़क आर्य (बागपत), बहन नीलम आर्या (बहरोड़) और बहन तन्नु आर्या (सोनीपत) अपने भजनों व उपदेशों के माध्यम से जनमानस को प्रेरित करेंगे। वेद प्रचार मण्डल, जिला महेंद्रगढ़ के मार्गदर्शन में आयोजित इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य कुरीतियों का निवारण कर श्रेष्ठ समाज का निर्माण करना है। आर्य समाज तिगरा-भौड़ी की ओर से बाहर से आने वाले सभी अतिथियों के लिए भोजन एवं ठहरने की उत्तम व्यवस्था की गई है। समिति के पदाधिकारियों ने सभी धर्म प्रेमियों से सपरिवार पहुँचकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में प्रक्रिया सरल, दिवंगत किसानों के दावों का होगा त्वरित निस्तारण

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत दिवंगत किसानों के लंबित बीमा दावों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रक्रिया को सरल बना दिया है। अब मनोनीत सदस्य को सीधे बीमा राशि दी जाएगी। आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल ने बताया कि जिन मामलों में मनोनयन नहीं है, वहां वारिसनामा, उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र या परिवार की सहमति से अधिकृत सदस्य को भुगतान किया जा सकेगा। पारिवारिक विवाद नहीं होने पर 50 रुपये के नोटरी शपथ पत्र के आधार पर भी दावा राशि जारी होगी। दावा भुगतान के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक खाते की प्रति एवं सहमति शपथ पत्र पर्याप्त होंगे।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने महमड़ा पुलिस चौकी के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित भवन से पुलिस कार्यप्रणाली होगी अधिक प्रभावी, आमजन को मिलेंगी बेहतर पुलिस सेवाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । जिला पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने गुरुवार को महमड़ा पुलिस चौकी के नवनिर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर एएसपी दिव्यांशी सिंगला, आईपीएस ने पुलिस अधीक्षक का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर परपुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि महमड़ा पुलिस चौकी का नया भवन आधुनिक एवं बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे पुलिस कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा तथा आमजन को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से पुलिस सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि मजबूत आधारभूत संरचना पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ आमजन के विश्वास को भी सुदृढ़ करती है। उन्होंने कहा कि महमड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम करने तथा

आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। नए भवन के निर्माण से पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा क्षेत्रवासियों को बेहतर सुरक्षा एवं पुलिस सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया। वहीं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए नए भवन के निर्माण पर आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह भवन क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने भवन का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने कर्मचारियों को ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए तथा आमजन से भी पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

मंडावर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पिलाया ठंडा पानी

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगाया प्याऊ

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा विधानसभा क्षेत्र के मंडावर कस्बे में भीषण गर्मी और लू के बीच मंडावर रेलवे स्टेशन पर भाजपा मंडल मंडावर के नेतृत्व में 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के तहत प्याऊ लगाकर यात्रियों व राहगीरों को ठंडा पानी पिलाया गया। अभियान का शुभारंभ रेलवे के एईएन एवं पीएचडी जेईएन की उपस्थिति में किया गया। तेज गर्मी के कारण रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानी को देखते हुए स्टेशन परिसर में ठंडे पानी की व्यवस्था की गई, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली। दूर-दराज से आने वाले मुसाफिरों ने इस सेवा कार्य की सराहना की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। अभियान का उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है। कार्यकर्ताओं ने जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पानी की हर बूंद अनमोल है।सेवा कार्य के दौरान भाजपा मंडल मंडावर के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग व्यवस्थाओं में जुटे रहे। मंडावर रेलवे स्टेशन पर शुरू हुआ यह अभियान क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

टोहाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: जानलेवा हमला और एससी-एसटी एक्ट मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

ई-रिक्शा विवाद में तलवार और डंडों से किया था हमला, दो आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घर में घुसकर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला करने तथा जातिसूचक गालियां देकर अपमानित करने के मामले में पुलिस ने गहन जांच करते हुए दो और सह-आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुलदीप सिंह पुत्र गुरबचन सिंह निवासी बीघड़ हाल निवासी गीता कॉलोनी, टोहाना तथा सोनू पुत्र सत्यनारायण निवासी इंदिरा कॉलोनी, टोहाना के रूप में हुई है। डीएसपी टोहाना जयभगवान ने जानकारी देते हुए बताया कि गीता कॉलोनी निवासी पीड़ित संजीव ने अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान पुलिस को दिए बयान में बताया था कि 4 मार्च 2026 को उसके भाई संजू का ई-रिक्शा को लेकर कुलदीप सिंह के साथ विवाद हुआ था, जिसे उस समय शांत करवा दिया गया था।

इसी रंजिश के चलते 7 मार्च 2026 की रात आरोपी कुलदीप सिंह अपने साथियों सहित जबरन संजीव के घर में घुस आया। आरोपियों ने तलवार और डंडों से हमला करते हुए पीड़ित के सिर, बाएं हाथ और पैर पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात के दौरान आरोपियों ने जातिसूचक गालियां दीं तथा जान से मारने की धमकी भी दी। घायल संजीव को पहले टोहाना नागरिक अस्पताल और बाद में गंभीर हालत में अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। पीड़ित के बयान और मेडिकल लीगल रिपोर्ट के आधार पर थाना शहर टोहाना में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा नंबर 80/2026 दर्ज किया गया था।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब आगे की कार्रवाई में पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी सहित दो अन्य सह-आरोपियों को भी काबू कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

दलित युवा नेता कुलदीप सिंह लांबा बने भाजपा जन कल्याण मंच के जींद जिला उपाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.नरवाना/जींद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । भारतीय जनता पार्टी जन कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन एस शाह द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से हरियाणा के युवा दलित नेता कुलदीप सिंह लांबा को जींद जिले का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद जिले सहित प्रदेशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल है तथा उन्हें लगातार बधाई संदेश प्राप्त हो रहे हैं। कुलदीप सिंह लांबा जींद जिले के फुलिया कलां गांव के निवासी हैं और लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे जिले की राजनीति में एक लोकप्रिय युवा चेहरे के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। दलित समाज के मजबूत प्रतिनिधि होने के साथ-साथ अन्य सभी वर्गों में भी उनकी अच्छी पकड़ और प्रभाव माना जाता है। इसी सामाजिक सक्रियता और जनसंपर्क को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें

महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। राजनीतिक क्षेत्र में लांबा परिवार का पहले से ही प्रभाव रहा है। उनके बड़े भाई जिला परिषद सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं, जिसके चलते परिवार की राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में विशेष पहचान है। कुलदीप सिंह लांबा भी लगातार जनहित के मुद्दों को उठाते रहे हैं तथा युवाओं और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के बीच सक्रिय रहते हैं।

नियुक्ति के बाद कुलदीप सिंह लांबा ने भाजपा जन कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन एस शाह एवं जींद जिले के वरिष्ठ भाजपा नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं को जोड़ने तथा समाज के हर वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प भी दोहराया। उनकी नियुक्ति को लेकर जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है। कई नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी द्वारा युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की सकारात्मक पहल बताया है।

शायर बशीर बद्र का 91 साल की उम्र में निधन

भीम प्रज्ञा न्यूज

भोपाल । उर्दू ग़ज़ल के शहंशाह डॉ. बशीर बद्र (91) नहीं रहे। उन्होंने गुरुवार दोपहर 12:15 बजे भोपाल में फानी दुनिया को अलविदा कहा। उर्दू अदब की रूह में समाए बशीर बद्र तक़रीबन 14 बरस डिमेंशिया की गिरफ़्त में रहे, जिससे उनकी याददाश्त कमजोर होती चली गई, मगर उनके शेर आज भी दिलों में धड़कते हैं। उनको शाम 7:30 बजे भोपाल टॉकीज के पास कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। उनकी पत्नी, डॉ. राहत बद्र, जब उनके शेर गुनगुनातीं, तो बशीर साहब के चेहरे पर शादाबी की हल्की सी झलक उभर आती थी। कभी-कभी वे खुद भी मिसरा पूरा करने लगते। एक वक़्त था, जब उनके बिना मुशायरे अधूरे माने जाते थे। उनकी मौजूदगी महफ़िल की कामयाबी की ज़मानत हुआ करती थी। जब भी उन्हें मुशायरे की याद आती थी तो इरशाद, इरशाद कहने लगते थे।

ग़ज़ल जागती रही, मैं सो गया- अशोक मिज़ाज बद्र

सागर के शायर अशोक मिज़ाज बद्र ने बताया- बशीर बद्र से उनका रिश्ता करीब 34 साल पुराना था। 14 फरवरी 1992 से उन्होंने मुझे अपने साथ रखा। शागिर्द बनाया, लेकिन सच में बेटे की तरह रखा। भावुक होते हुए उन्होंने उनका एक शेर याद किया- मैं जागता रहा तो ग़ज़ल जागती रही, मैं सो गया तो साथ मेरे सो गई। यही शेर तुम्हारी पहचान बनेगा, डरना मत।

आज उनके जाने से ग़ज़ल ही उदास हो गई- मंजर भोपाली

वहीं भोपाल के वरिष्ठ शायर मंजर भोपाली ने बशीर बद्र की दूरदर्शिता और नए शायरों को आगे बढ़ाने की उनकी भूमिका को याद किया। उन्होंने एक शेर पढ़ा- कह दो अमीर-ए-आलम से हम भी शेर कहते हैं, वो सदी तुम्हारी थी, ये सदी हमारी है। मंजर भोपाली ने भावुक स्वर में कहा- आज उनके जाने से ग़ज़ल ही उदास हो गई है, ग़ज़लें उदास, शहर-ए-तमन्ना उदास है।

एक्सप्रेस-वे पर गौमांस तस्करी का खुलासा, 38 टन मांस जब्त, चार गिरफ्तार

भैंस के मीट की आड़ में मुंबई से गाजियाबाद भेजी जा रही थी खेप

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा।

मनोज खंडेलवाल । जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बांदीकुई थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो रेफ्रिजरेटर कंटेनरों से करीब 38 टन गौमांस जब्त किया है। मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि कंटेनर मालिक की तलाश जारी है।दौसा एसपी पीयूष के निर्देशन में बांदीकुई थाना पुलिस ने एक्सप्रेस-वे पर संदिग्ध कंटेनरों को रोककर जांच की। कंटेनरों में भारी मात्रा में मांस मिला, जिसके सैंपल जांच के लिए एफएसएल जयपुर भेजे गए। रिपोर्ट में मांस के गौमांस होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों कंटेनरों सहित पूरा मांस जब्त कर लिया। जिला प्रशासन के आदेश पर ग्राम श्यामपुरा के चारागाह क्षेत्र में गहरा गड्ढा खुदवाकर करीब 38 टन गौमांस को नष्ट कराया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी गौमांस को भैंस का मीट बताकर मुंबई से गाजियाबाद सप्लाई कर रहे थे। बिल्टी और पैकेटों पर भी भैंस का मांस लिखा गया था, ताकि जांच एजेंसियों को भ्रमित किया जा सके।

मामले में मोहम्मद वसीम, इशरत अली, मोहम्मद आशिफ और मोहम्मद सादाब को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी उत्तरप्रदेश के मेरठ निवासी हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और सप्लाई चैन की जानकारी जुटा रही है। वहीं कंटेनर मालिक सरफराज अली की तलाश तेज कर दी गई है तथा उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता भी सामने आ सकती है।

सुरेंद्र भाटिया पुनः भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व द्वारा झुंझुनूं जिले के युवा एवं सक्रिय कार्यकर्ता सुरेंद्र भाटिया को पुनः भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार यह नियुक्ति की गई। वहीं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व एवं प्रदेशाध्यक्ष निहाल चंद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने एक समर्पित और जमीनी कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सुरेंद्र भाटिया की पुनर्नियुक्ति पर जिलेभर से उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं। शुभकामनाएं देने वालों में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर, प्रधान बलवान सिंह, पूर्व सांसद नरेन्द्र खीचड़, पूर्व विधायक सुभाष पूनिया, पिलानी विधायक प्रत्याशी राजेश दहिया, राज्य ओबीसी आयोग सदस्य पवन मावडिया तथा पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढ़ा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। भाजपा नेताओं ने विश्वास जताया कि सुरेंद्र भाटिया के नेतृत्व में अनुसूचित जाति मोर्चा जिले में संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा।

कपास एवं धान की फसलों के संयुक्त निरीक्षण के दौरान किसानों को किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के क्षेत्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र, फरीदाबाद तथा जिला कृषि विभाग, फतेहाबाद द्वारा कपास की फसल का संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला फतेहाबाद के गांव कुम्हारिया में किसान सभा आयोजित कर किसानों को कपास एवं धान की फसलों में बीज उपचार, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं संतुलित प्रयोग तथा राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली मोबाइल अनुप्रयोग के बारे में जागरूक किया गया। किसानों को बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी जैव-कीटनाशी भी वितरित किया गया। अधिकारियों ने किसानों को सलाह दी कि धान की फसल में पिछले वर्ष दिखाई दिए बौनेपन रोग तथा अन्य कीट एवं रोगों से बचाव के लिए बीज उपचार अवश्य करें। इसके साथ ही यांत्रिक एवं जैविक उपाय अपनाने पर भी विशेष बल दिया गया। कपास की फसल में 40 से 45 दिन बाद प्रत्येक खेत में कम से कम चार गंध आकर्षण फंदे लगाने की सलाह दी गई, ताकि कीटों की समय रहते निगरानी कर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। किसानों को राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली मोबाइल अनुप्रयोग के उपयोग की जानकारी देते हुए बताया गया कि इसके माध्यम से वे फसल में लगने वाले कीट एवं रोगों की पहचान कर त्वरित विशेषज्ञ सलाह प्राप्त कर सकते हैं। इससे अनावश्यक रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग में कमी लाई जा सकेगी। संयुक्त निरीक्षण दल में क्षेत्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र, फरीदाबाद से डॉ. के.पी. शर्मा एवं डॉ. सुरजीत बर्मन तथा जिला कृषि विभाग से डॉ. जय कुमार, डॉ. अंकित ढिल्लों, डॉ. अमित कुमार सहित अनेक प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

जामडोली में राष्ट्र सेविका समिति का भव्य पथ संचलन सम्पन्न

अनुशासन, संस्कार और राष्ट्रभक्ति का दिखा अद्भुत संगम

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राष्ट्र सेविका समिति, जयपुर प्रान्त द्वारा आयोजित 15 दिवसीय प्रवेश वर्ग के अंतर्गत गुरुवार को जामडोली क्षेत्र में भव्य पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन शंकर लाल धानुका आदर्श विद्या मंदिर से प्रारम्भ होकर लक्ष्मीनाथ मंदिर, गणेश चौक, बाबा बेकरी, संजय डिपार्टमेंटल स्टोर एवं गिरिराज स्टोर होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ। पथ संचलन में पारंपरिक गणवेश में शामिल सेविकाओं ने अनुशासनबद्ध कदमताल के साथ राष्ट्रभक्ति, संगठन शक्ति एवं भारतीय संस्कृति का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। संचलन के दौरान पूरे क्षेत्र में देशभक्ति एवं संस्कारों का वातावरण देखने को मिला। स्थानीय नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर सेविकाओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेविकाओं ने मातृशक्ति, सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण का संदेश देते हुए समाज में संगठन और जागरूकता का आह्वान किया। उपस्थित नागरिकों ने भी सेविकाओं के अनुशासन एवं उत्साह की सराहना की। उल्लेखनीय है कि केशव विद्यापीठ, जामडोली में 17 मई से 31 मई 2026 तक राष्ट्र सेविका समिति का 15 दिवसीय प्रवेश वर्ग आयोजित किया जा रहा है। वर्ग में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आई सेविकाएँ सहभागिता कर रही हैं। वर्ग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु विविध प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

यूनिवर्सल बेबी बॉस... क्रिस गेल ने वैभव को दिया अपना मशहूर यूनिवर्स बॉस टैग

● नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल ने बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। गेल ने कहा कि अगर कोई उनका रिकॉर्ड तोड़ सकता था, तो वह सिर्फ वैभव ही थे।

राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

गेल ने 2012 में 59 छक्के लगाए थे, जबकि वैभव इस सीजन 65 छक्के जड़ चुके हैं।गेल ने कहा, महज 15 साल की उम्र में ऐसा करना आसान नहीं है। वैभव असाधारण प्रतिभा हैं। उनके जैसे खिलाड़ी बहुत कम देखने को मिलते हैं। बीसीसीआई को उनका खास ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि वह भविष्य में भारतीय क्रिकेट की बड़ी संपत्ति साबित हो सकते हैं। मैच के बाद गेल ने सोशल मीडिया पर वैभव को अपना मशहूर यूनिवर्स बॉस टैग देते हुए उन्हें यूनिवर्सल बेबी बॉस कहा। उन्होंने लिखा, वैभव शानदार मनोरंजन करने वाले खिलाड़ी हैं, नई सिक्स मशीन।

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ने कहा- सिर्फ वैभव ही तोड़ सकते थे मेरा रिकॉर्ड

कोच बोले- अभी दो रिकॉर्ड और बाकी

वैभव के कोच मनीष ओझा ने कहा कि क्रिस गेल के अभी दो बड़े रिकॉर्ड बाकी हैं, जिन्हें वैभव भविष्य में तोड़ सकते हैं। इनमें आईपीएल का सबसे तेज शतक (30 गेंद) और टी20 में 175 रन की सबसे बड़ी पारी शामिल है। उन्होंने कहा, जिस अंदाज में वैभव बल्लेबाजी कर रहे हैं, उससे उम्मीद है कि वह आने वाले समय में ये रिकॉर्ड भी अपने नाम करेंगे।

29 गेंदों में 97 रन, शतक से चूके

एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 97 रन बनाए। उनकी पारी में 12 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। हालांकि, वह आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक बनाने से तीन रन से चूक गए। आउट होने के बाद वैभव काफी मायूस नजर आए। मैच के बाद उन्होंने कहा, मेरा पूरा फोकस टीम के लिए रन बनाने पर था। मुझे रिकॉर्ड के बारे में बाद में पता चला। शतक आगे भी बनेंगे, लेकिन अभी लक्ष्य टीम को ट्रॉफी जिताना है। उन्होंने बताया कि कोचों ने उन्हें बिना दबाव के खेलने और मैच का आनंद लेने की सलाह दी थी।

दिग्गजों ने की तारीफ

वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी की क्रिकेट जगत में जमकर सराहना हुई। युवराज सिंह ने लिखा, बॉस बेबी ने दिग्गजों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। पूर्व इंग्लैंड कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें दुनिया के बेहतरीन ओपनर्स में शामिल बताते हुए भारतीय टीम में मौका देने की बात कही। सचिन तेंदुलकर ने उनके बैट स्विंग और बेखौफ अंदाज की तारीफ करते हुए इसे शानदार करिश्मा बताया।

शांत स्वभाव से प्रभावित हुए शनाका

राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी दासुन शनाका ने कहा कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम में वैभव जैसा शांत और संतुलित युवा खिलाड़ी नहीं देखा। उन्होंने कहा, चाहे रन बनाएं या फेल हों, वैभव का रवैया हमेशा एक जैसा रहता है। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

आईपीएल 2026 : डेथ ओवरों में बेहतर फिनिश की तलाश में आरआर

क्वालिफायर-2 में आज राजस्थान और गुजरात टाइटंस आमने-सामने

● नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। दोनों टीमों की ओपनिंग जोडियां इस सीजन शानदार फॉर्म में रही हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी का अंदाज एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है। वहीं, तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में मौजूद बड़े नाम इस मुकाबले को और रोमांचक बना सकते हैं।

राजस्थान के मिडिल ऑर्डर के सामने सबसे बड़ी चुनौती राशिद खान होंगे। गुजरात टाइटंस के अनुभवी लेग स्पिनर ने राजस्थान रॉयल्स के कई बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया है। ध्रुव जुरेल ने आईपीएल में राशिद के खिलाफ चार पारियों में सिर्फ 26 रन बनाए हैं और दो बार आउट हुए हैं। रियान पराग भी छह पारियों में केवल 27 रन बना सके हैं और उनका स्ट्राइक रेट 90 रहा है।

डॉनोवन फरेरा को राशिद ने टी20 क्रिकेट में तीन बार आउट किया है, जबकि रवींद्र जाडेजा भी उनके खिलाफ खुलकर रन नहीं बना पाए हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स को मिडिल ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी।

ओपनिंग जोड़ियों के बीच होगी दिलचस्प जंग

वैभव वर्सेस गिल

इस मुकाबले में दो सफल लेकिन अलग अंदाज वाली ओपनिंग जोड़ियां भिड़ेंगी। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल तेज शुरुआत और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। दूसरी ओर गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और साई सुदर्शन संयमित लेकिन लगातार रन बनाने में माहिर हैं। जायसवाल-सूर्यवंशी की जोड़ी ने इस सीजन 15 पारियों में 747 रन 206 के स्ट्राइक रेट से जोड़े हैं। वहीं गिल-सुदर्शन ने 14 पारियों में 719 रन बनाए हैं और उनका औसत 55.3 रहा है। दोनों टीमों के लिए शुरुआती साझेदारी मैच का रुख तय कर सकती है।

मिडिल ओवरों में होल्डर गुजरात के ट्रंप कार्ड

जेसन होल्डर गुजरात टाइटंस के लिए मिडिल ओवरों में सबसे भरोसेमंद गेंदबाज बनकर उभरे हैं। पिछले मैच में उन्होंने विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल को लगातार गेंदों पर आउट कर मैच का रुख बदल दिया था। आईपीएल 2026 में होल्डर ने नौ पारियों में 15 विकेट लिए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 12.9 रहा है। मिडिल ओवरों में उन्होंने 11 विकेट चटकाए हैं, जबकि डेथ ओवरों में भी उनकी इकॉनमी सिर्फ 5.8 रही है। गुजरात टाइटंस चाहेगी कि नॉकआउट मुकाबले में भी होल्डर अपनी इसी लय को बरकरार रखें।

डेथ ओवरों में राजस्थान रॉयल्स की चिंता बरकरार

राजस्थान की सबसे बड़ी कमजोरी इस सीजन डेथ ओवरों की बल्लेबाजी रही है। 17 से 20 ओवर के बीच टीम का रन रेट सिर्फ 10.2 रहा है, जो लीग में सबसे कमजोर प्रदर्शन में शामिल है। हालांकि डॉनोवन फरेरा ने फिनिशर की भूमिका में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से 123 रन बनाए हैं और 12 छक्के जड़े हैं। जाडेजा, जुरेल और शुभम दुबे ने उपयोगी पारियां खेली हैं, लेकिन बड़े मुकाबले में टीम को उनसे और बेहतर योगदान की उम्मीद होगी। प्लेऑफ जैसे दबाव वाले मैच में राजस्थान रॉयल्स एक बार फिर फरेरा से तेज और दमदार फिनिश की उम्मीद करेगी।

नोवाक जोकोविच तीसरे दौर में रायबकिना उलटफेर की शिकार

फ्रेंच ओपन

स्वियातेक स्वितोलिना ने भी दर्ज की जीत

● पेरिस

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। 39 वर्षीय जोकोविच ने फ्रांस के वैलेंटाइन रोयर को चार सेटों में हराया। वहीं महिला वर्ग में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलिना रायबकिना को बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा।

जोकोविच ने दुनिया के 74वें नंबर के खिलाड़ी वैलेंटाइन रोयर को 6-3, 6-2, 6-7(7), 6-3 से मात दी। करीब 3 घंटे 44 मिनट तक चले मुकाबले में रोयर ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। तीसरे सेट के टाईब्रेकर में बैकहैंड गलती के कारण जोकोविच मैच जल्दी खत्म नहीं कर सके।

प्रचंड गर्मी से जूझते दिखे नोवाक जोकोविच

पेरिस में लगातार चौथे दिन तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। गर्मी के कारण जोकोविच चेंजओवर के दौरान गर्दन और सिर पर आइस पैक लगाते नजर आए। मैच के बाद उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में अनुभव ने उनकी काफी मदद की।

वायलिन सेलिब्रेशन फिर चर्चा में

जीत के बाद जोकोविच ने अपना मशहूर वायलिन सेलिब्रेशन किया। मजाकिया अंदाज में उन्होंने कहा कि अब उम्मीद है टूर्नामेंट में आगे किसी और फ्रांसीसी खिलाड़ी से सामना नहीं होगा। इस जीत के साथ जोकोविच ने रोलां गैरो में फ्रांसीसी खिलाड़ियों के खिलाफ 14-0 का रिकॉर्ड कायम रखा। वह लगातार 21वें साल फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे हैं।

ज्वेरेव और रुड भी तीसरे दौर में

दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चेक गणराज्य के थॉमस माचैक को 6-4, 6-2, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। चोट से प्रभावित इस मुकाबले में ज्वेरेव ने शुरुआत से दबदबा बनाए रखा। वहीं, दो बार फ्रेंच ओपन फाइनल खेल चुके नॉर्वे के कैस्पर रुड ने सर्बिया के हमद मेदजेदोविच को 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

रायबकिना टूर्नामेंट से बाहर

महिला एकल में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलिना रायबकिना को यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्तसेवा ने 3-6, 6-1, 7-6(4) से हराकर बाहर कर दिया। इगा स्वियातेक ने सारा बेजलेक को 6-2, 6-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। रोलां गैरो में यह उनकी 42वीं जीत रही। तीसरे दौर में उनका सामना पोलैंड की मागडा लिनेट से होगा। यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना और मार्टा कोस्त्युक ने भी अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। स्वितोलिना ने कैटलिन क्वेवेदो को हराया, जबकि कोस्त्युक ने केटी वोलेट्स को मात दी।

आईसेक्ट ने लॉन्च की MPL टीम रॉयल निमाड़ ईगल्स

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

● भोपाल,

आईसेक्ट समूह ने मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) 2026 के लिए अपनी नई पुरुष एवं महिला क्रिकेट टीम रॉयल निमाड़ ईगल्स का भव्य लॉन्च किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों, खेल जगत की हस्तियों और उद्योग प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में टीम की नई जर्सी, क्रिकेट किट और विशेष जिंगल लॉन्च किया गया। साथ ही खेल क्षेत्र में योगदान देने वाले व्यक्तित्वों एवं स्पॉन्सर्स का सम्मान भी किया गया।

आईसेक्ट समूह के चेयरमैन संतोष चौबे ने कहा कि रॉयल निमाड़ ईगल्स क्षेत्रीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का मजबूत मंच बनेगी। वहीं डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने बताया कि समूह आधुनिक सुविधाओं के साथ एक मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम विकसित कर रहा है। आईसेक्ट इंडिया ने एमपीएल के माध्यम से गर्ल्स एजुकेशन और जरूरतमंद खिलाड़ियों को फ्री क्रिकेट किट देने जैसी सामाजिक पहलों की भी घोषणा की।

पुरुष टीम

सारांश जैन (कप्तान), हिमांशु मंत्री (उप-कप्तान) कुमार कार्तिकेय सिंह, आनंद सिंह बैस, प्रणित पाटीदार, पारुष मंडल, पुष्कर विश्वकर्मा, प्रारब्ध वी. मिश्रा, शिवांश चतुर्वेदी, कनिष्क दुबे, धर्मेश पटेल, कार्तिक राजोरिया, शांतनु रघुवंशी, अयान श्रीराज, अभिषेक मावी, देवेंद्र सिंह कठैत एवं शशांक पाटीदार।

महिला टीम

निकिता सिंह (कप्तान), वैष्णवी शर्मा, यामिनी बिल्लोरे, कल्याणी जादव, सोनिया सिंह, तनिष्का सेन, दीप्ति सिंह, हर्षिता सिंह, ऋषिता जैन, खुशी यादव, जानवी राय, लक्ष्यिता माहेश्वरी, मुस्कान योगी, राशि सोनी एवं सलोनी पासवान।

गोल्ड जीतकर लौटीं नियति से मिले खण्डेलवाल

● भोपाल,

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मलेशिया कराटे चैंपियनशिप की अंडर-14 श्रेणी में स्वर्ण एवं रजत पदक जीतकर मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाली दमोह की प्रतिभाशाली बेटी नियति दीक्षित से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर तथा लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह उपस्थित रहे।

होमी और आर्यन ने बिखेरी चमक

अरेरा प्रीमियर इंटर हाउस क्रिकेट लीग

● भोपाल,

अरेरा प्रीमियर इंटर हाउस क्रिकेट लीग में अरेरा रेड और अरेरा ब्लू के बीच मुकाबला खेला गया। अरेरा रेड ने 35.2 ओवर में सभी विकेट खोकर 209 रन बनाए। इसमें होमी सोलंकी ने 67, शिखर देशमुख ने 56 रन का योगदान दिया। ब्लू की ओर से आर्यन साहनी ने 5 विकेट लिए, जबकि नीरज ग्रोवर ने 3 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्लू टीम ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन 23 रन से हार गई। इसमें पीयूष ने 46 रन, नीरज ग्रोवर ने 40 रन बनाए।

अरेरा रेड की ओर से केतन रेवाड़ीकर, शिखर देशमुख और होमी सोलंकी ने 3-3 विकेट लिए। बीडीसीए चयनकर्ता अरविंद वर्मा तथा अपेक्स बैंक की पीआरओ एवं पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी प्रियदर्शनी पाठक ने होमी सोलंकी और आर्यन साहनी को संयुक्त प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार प्रदान किया।

क्रिकेट का क्रेज जियो-हॉटस्टार ने कहा, आरआर के वैभव सूर्यवंशी मौजूदा दौर के सबसे बेस्ट टी20 बल्लेबाज

IPL दुनिया की सबसे बहुभाषी लीग, 12 भाषाओं में हो रहा प्रसारण

● मुंबई

क्रिकेट ब्रॉडकास्टर जियो-हॉटस्टार ने दावा किया है कि दुनिया की किसी भी स्पोर्ट्स लीग में आईपीएल जितनी भाषाओं में प्रसारण नहीं होता। आईपीएल अब 12 भाषाओं में प्रसारित हो रहा है, जिसमें भोजपुरी और हरियाणवी जैसी क्षेत्रीय फीड्स तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। जियो-हॉटस्टार के हेड कंटेंट सिद्धार्थ शर्मा, पूर्व अंपायर अनिल चौधरी और पूर्व क्रिकेटर व चयनकर्ता सरनदीप सिंह ने आईपीएल ब्रॉडकास्ट, क्षेत्रीय कमेंट्री और युवा खिलाड़ियों पर खुलकर चर्चा की।

भोजपुरी कमेंट्री के लिए हुई खास ट्रेनिंग

सिद्धार्थ के मुताबिक, भोजपुरी कमेंट्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती सही आवाजें तलाशना था। इसके लिए कई ऑडिशन और ट्रेनिंग सेशन आयोजित किए गए। कमेंटेटर्स को यह भी सिखाया गया कि विराट कोहली के कवर ड्राइव या रोहित शर्मा की बल्लेबाजी को स्थानीय अंदाज में कैसे पेश करना है। उन्होंने दावा किया कि कवरेज, भाषाओं की संख्या और दर्शकों तक पहुंच के मामले में आईपीएल ब्रॉडकास्ट दुनिया की दूसरी बड़ी स्पोर्ट्स लीग्स से आगे है।

2013 में हिंदी फीड से हुई शुरुआत

सिद्धार्थ शर्मा ने बताया कि लंबे समय तक भारत में क्रिकेट का प्रसारण मुख्य रूप से अंग्रेजी में होता था। 2013 में हिंदी फीड की शुरुआत की गई, ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शक अपनी भाषा में क्रिकेट से जुड़ सकें। इसके बाद 2017 में तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फीड जोड़ी गईं। डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ भोजपुरी, पंजाबी और हरियाणवी जैसी भाषाओं को भी शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि भोजपुरी कमेंट्री की सबसे बड़ी ताकत उसका देसी अंदाज और कहानी सुनाने की शैली है। इसमें तकनीकी विश्लेषण से ज्यादा लोकल बोली, मुहावरे और मनोरंजन पर जोर दिया जाता है।

फिटनेस क्रिकेट की सबसे बड़ी जरूरत

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैचों में अंपायरिंग कर चुके अनिल चौधरी ने कहा कि आधुनिक क्रिकेट में फिटनेस सबसे अहम हो गई है। उनके मुताबिक, खेल की तेज रफ्तार के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए खिलाड़ी और अंपायर दोनों का फिट रहना जरूरी है। अनिल चौधरी ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि आयुष म्हात्रे, यश राज पुंजा और देवदत्त पडिक्कल जैसे युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उनकी नजर में वैभव सूर्यवंशी मौजूदा दौर के सबसे बेहतरीन टी-20 बल्लेबाज हैं।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
590 = 4	190 = 0
159 = 5	258 = 5

शुभांक

दिन	रात
124 = 7	559 = 9
357 = 5	490 = 3

भाग्यांक

2 4 6 7

www.kalyangame.com

संक्षिप्त समाचार

उ. कोरिया ने छोटी दूरी की मिसाइलों व कई प्रक्षेपास्त्रों को दागा

प्योंगयांग, एजेंसी। दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि उत्तर कोरिया ने देश के पश्चिमी तट के पास के समुद्र की ओर कई मिसाइलें दागीं हैं। इनमें एक छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल थी। उसने कहा, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के उत्तरी प्योंग्यान प्रांत के चोंगजू के पास से दागी गईं, जो करीब 80 किमी दूर तक गईं। 19 अप्रैल के बाद उत्तर कोरिया का यह पहला ज्ञात मिसाइल प्रक्षेपण है, जब देश ने कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें टेस्ट कीं। वे क्लस्टर बमों से लैस थीं।

बेल्जियम में ट्रेन से टकराई स्कूल वैन दो छात्रों समेत चार की मौत

बुगेनहाउट, एजेंसी। बेल्जियम के बुगेनहाउट शहर में मंगलवार को रेलवे क्रॉसिंग पर एक ट्रेन और स्कूल वैन की टक्कर में दो विशेष जरूरत वाले छात्रों समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य स्कूली बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 12 और 15 वर्ष के दो छात्रों, 49 वर्षीय वैन चालक और 27 वर्षीय महिला परिचारिका की जान गई। वैन सात छात्रों को स्कूल लेकर जा रही थी।

कनाडा में जबरन वसूली को लेकर 17 भारतवंशी गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा पुलिस ने दक्षिण एशियाई व्यापारियों और समुदाय को निशाना बनाकर जबरन वसूली, संगठित अपराध में संलिप्तता के आरोप में 17 भारतवंशी गिरफ्तार किए हैं। ?पील क्षेत्रीय पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, जबरन वसूली टास्क फोर्स ने स्थानीय व्यवसायों से जबरन वसूली के लिए इस्तेमाल किए जा रहे डराने-धमकाने, धमकियों और हिंसा के एक समन्वित अभियान का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकांश लोगों के संबंध फॉर ब्रदर्स नामक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क से हैं। आरोपियों में इकबाल सिंह, आकाशदीप सिंह, रविंदर सिंह, जशनबीर सिंह, दिलावरप्रीत, मनदीप सिंह, प्रभदीप सोहल, परतापबीर घुमन, अजयदीप सिंह, नवरूप, राजन, अमृतजोत, जशनप्रीत, गुनीत, सुखविंदर, मोहिंदर व गौतम शामिल हैं। आरोपियों का संबंध 24 घटनाओं से है, जिनमें फॉर ब्रदर्स से जुड़ी 16 हिंसक घटनाएं शामिल हैं।

तिब्बती संस्कृति पर चीन के दृष्टिकोण को दी गई चुनौती

बीजिंग, एजेंसी। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अधीन प्रमुख सांस्कृतिक संस्था तिब्बत प्रदर्शन कला संस्थान (टीआईपीए) ने चीन पर उनकी पहचान को मिटाने और विकृत करने का आरोप लगाया है। उसने चेक गणराज्य में दो दशकों के बाद आयोजित एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन पर चीन को चुनौती दी कि उसका दृष्टिकोण तिब्बती संस्कृति को लेकर गलत है। इस कार्यक्रम में तिब्बत में बीजिंग की नीतियों पर चिंता भी जताई गई। प्राग में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान तिब्बती संगीत, ओपेरा और पारंपरिक नृत्य को यूरोपीय दर्शकों के सामने पेश किया गया।

बांग्लादेश ने आईएमएफ से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से नए आर्थिक सहायता कार्यक्रम की मांग की है। आईएमएफ ने कहा कि वह बांग्लादेश के साथ मिलकर आर्थिक सुधारों और नीतियों पर चर्चा कर रहा है। आईएमएफ अधिकारी इवो क्रजनार ने कहा कि संस्था बांग्लादेश को मजबूत आर्थिक स्थिरता, विकास और वित्तीय सुधारों में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। बांग्लादेश सरकार का कहना है कि पुराना आईएमएफ कार्यक्रम उस समय तैयार किया गया था, जब देश की आर्थिक स्थिति अलग थी। अब वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू हालात बदलने से कई सुधारों को लागू करना कठिन हो गया है ।सरकार ने साफ किया है कि वह सुधारों से पीछे नहीं हट रही, बल्कि मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से उन्हें लागू करना चाहती है। फरवरी में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद यह बड़ा आर्थिक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती महंगाई, विदेशी मुद्रा दबाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आईएमएफ का नया कार्यक्रम बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को राहत दे सकता है।

ट्रंप प्रशासन को झटका: फलस्तीन समर्थक महमूद खलील को राहत, संघीय अदालत ने इमिग्रेशन कोर्ट में भेजा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र महमूद खलील को बड़ी राहत देते हुए ट्रंप प्रशासन की निर्वासन कार्रवाई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। इसे ट्रंप प्रशासन के लिए झटका माना जा रहा है। अमेरिका के स्थायी निवासी खलील को साल 2024 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में फलस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने के कारण अप्रवासन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। अमेरिकी सरकार ने दलील दी थी कि खलील की मौजूदगी देश की विदेश नीति के हितों के लिए नुकसानदेह है।

क्या है पूरा मामला : कई महीनों तक हिरासत में रहने के बाद न्यूजर्सी की एक संघीय अदालत ने खलील को रिहा कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सरकार की कार्रवाई असंवैधानिक थी। इसके बाद यूएस थर्ड अपीलीय सर्किट कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि न्यूजर्सी के जज को इस मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं था और मामला पहले इमिग्रेशन अदालतों में चलना चाहिए। हालांकि मंगलवार को

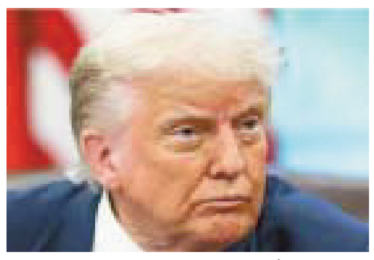

अपीलीय अदालत ने अपने फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी, ताकि खलील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें।

गर्मियों के अंत में दायर की जाएगी याचिका : खलील की पैरवी कर रहे अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) के वरिष्ठ वकील ब्रेट मैक्स कॉफमैन ने फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट से यह स्पष्ट करने की मांग करेंगे कि सरकार असहमति की आवाज दबाने के लिए हिरासत और निर्वासन की धमकी का इस्तेमाल नहीं कर सकती।' सुप्रीम कोर्ट में अपील आने वाले महीनों में, संभवतः गर्मियों के अंत तक, दायर की जा सकती है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने इस फैसले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी, अब तक 555 बच्चों की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरे और इससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 10 और बच्चों की मौत दर्ज की गई, जिससे 15 मार्च 2026 से अब तक कुल मौतों की संख्या 555 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशालय (डीजीएचएस) की ओर से इनमें से एक मौत की पुष्टि खसरे की वजह से की गई है, जबकि बाकी नौ मामलों को संदिग्ध माना गया है। ढाका डिवीजन में संदिग्ध मौतों की संख्या सबसे अधिक रही है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 1,083 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं, जिससे कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 66,023 तक पहुंच गई है। इसी अवधि में 53 नए पुष्टि किए गए मामले भी दर्ज हुए, जिसके बाद कुल पुष्टि मामलों की संख्या 8,772 हो गई है। 15 मार्च से अब तक 52,530 संदिग्ध मरीजों (बच्चों) को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 48,800 ठीक होकर घर लौट चुके हैं।

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने अप्रैल में देशव्यापी आपातकालीन खसरा-रूबेला

टीकाकरण अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 6 महीने से 5 साल तक के लगभग 18 मिलियन बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूएचओ, यूनीसेफ और टीका और प्रतिरक्षा के लिए गठित वैश्विक गठबंधन (जीएवीआई-गावी) के सहयोग से चलाया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन ने कहा कि टीकाकरण अभियान के असर से आने वाले कुछ हफ्तों में स्थिति नियंत्रण में आने की उम्मीद है और मरीजों की संख्या में गिरावट आएगी।

हाल ही में यूनिसेफ ने दावा किया कि अंतरिम सरकार के दौर में उन्होंने बार-बार चेताया था कि अगर उचित कदम नहीं उठाए गए तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। प्रेस वार्ता में बांग्लादेश में यूनिसेफ की प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्रालय को पांच से छह पत्र भेजे थे और अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान 10 बैठकों में भी यह मामला उठाया गया था।

होर्मुज में अमेरिकी हमले से तनाव

ईरान ने दी इजरायल को मिटाने की बड़ी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता के बीच हालात फिर से बहुत ज्यादा विस्फोटक और तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका ने होर्मुज और बंदरअब्बास इलाके में ईरानी नौसेना की नावों और मिसाइल ठिकानों को अपना सीधा निशाना बनाया है। अमेरिकी हमले के बाद ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने बेहद आक्रामक बयान देते हुए अपनी गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस नए हमले के बाद इजरायल का दुनिया के नक्शे से मिटना अब पूरी तरह से तय है।

ईरान की इस खतरनाक धमकी को वेस्ट एशिया में संभावित बड़े सैन्य टकराव की एक बहुत ही गंभीर चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस भयंकर हमले के कुछ घंटे पहले ही ईरान के साथ शांति की उम्मीद जताई थी। लेकिन अचानक हुए इस बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक नए और भयानक महायुद्ध की गहरी चिंता में डाल दिया है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका को करारा जवाब देकर उसका खतरनाक मकसद पूरी तरह से नाकाम कर दिया है।

अमेरिकी सेना का स्पष्टीकरण

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाने से अंतरराष्ट्रीय जहाजों को बहुत ज्यादा और सीधा खतरा हो सकता था। इसी गंभीर खतरे को तुरंत रोकने के लिए अमेरिकी नौसेना ने यह कड़ा और बहुत ही अहम सैन्य कदम उठाया है। सेना ने स्पष्ट कहा कि युद्धविराम के दौरान भी अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हमेशा रहेगी।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इसे युद्धविराम का सीधा उल्लंघन बताया है और बहुत कड़ी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी सेना ने दावा किया कि उसने फारस की खाड़ी में घुसपैठ करने वाले एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है। ईरान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय है और वह अमेरिका के एमक्यू-9 रीपर ड्रोन पर बड़ी कार्रवाई कर चुका है।

अमेरिकी जहाजों पर फायरिंग

ईरान ने यह भी बड़ा दावा किया है कि उसने अमेरिका के निगरानी ड्रोन और स्टील्थ फाइटर जेट पर भी लगातार फायरिंग की है। इस भारी फायरिंग के बाद अमेरिकी विमानों को अपनी जान बचाकर पीछे हटने के लिए पूरी तरह से मजबूर होना पड़ा है। ईरान ने साफ कहा है कि यदि अमेरिका ने फिर हमला किया तो इस बार उनका जवाब पहले से बहुत ज्यादा गंभीर होगा।

ब्रिगेडियर जनरल अबोलफजल शेखरची ने कहा कि हमने अपने सभी जरूरी टारगेट तय कर लिए हैं और हम युद्ध के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान को तेल निर्यात से रोका गया तो पूरे क्षेत्र से तेल सप्लाई हमेशा के लिए रुक जाएगी। ईरान ने यह भी दोहराया कि रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट पर केवल उसी का नियंत्रण हमेशा के लिए पूरी तरह से बना रहेगा।

वाशिंगटन की पेपर मिल में बड़ा हादसा

केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका के वाशिंगटन राज्य के लॉन्गव्यू शहर में एक पल्प और पेपर मिल में केमिकल टैंक फटने से कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सोशल मीडिया पर जारी एक संयुक्त बयान में निप्पॉन डायनावव्वे पैकेजिंग कंपनी और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि टैंक फटने की वजह से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए और कुछ की जान चली गई। हालांकि, अब तक मरने वालों की सही संख्या नहीं बताई गई है। स्थानीय पुलिस, फायर विभाग और कंपनी अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार सुबह निप्पॉन डायनावव्वे पैकेजिंग फैक्ट्री में व्हाइट लिकर नाम के केमिकल वाला टैंक फट गया। यह केमिकल कागज बनाने की प्रक्रिया में इस्तेमाल होता है।

वाशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन ने सोशल मीडिया पर हादसे में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया और कहा कि राज्य के इकोलॉजी विभाग की टीमों को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा, 'मेरी टीम और मैं लॉन्गव्यू में हुए इस बड़े केमिकल

विस्फोट की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। हमारे राज्य के इकोलॉजी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि इस हादसे में लोगों की जान गई है। मेरी संवेदनाएं कर्मचारियों, उनके परिवारों और राहत-बचाव में लगे लोगों के साथ हैं।'

लॉन्गव्यू फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि वह निप्पॉन डायनावव्वे फैक्ट्री में हुए खतरनाक केमिकल हादसे पर काम कर रहा है। केमिकल ट्रीटमेंट वाले बड़े टैंक के फटने से कई लोग झुलस गए और घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल भेजा गया।

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल आम लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों से इलाके से दूर रहने को कहा गया है, ताकि राहत और बचाव का काम आसानी से चल सके। यह फैक्ट्री वाशिंगटन और ओरेगन की सीमा के पास कोलंबिया नदी के किनारे स्थित है। वाशिंगटन स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ इकोलॉजी के अनुसार, यहां क्राफ्ट पल्प और पेपर मिल के साथ-साथ लिक्विड पैकेजिंग प्लांट भी है। फिलहाल हादसे की वजह की जांच की जा रही है।

आखिर कैसे हुआ इतना बड़ा हादसा?

यह हादसा लॉन्गव्यू इलाके में स्थित निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी की मिल में हुआ। कंपनी और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त बयान में बताया कि एक बड़े केमिकल टैंक में अचानक विस्फोट जैसा दबाव बना और वह अंदर की तरफ धंस गया। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। हालांकि मरने वालों की सही संख्या अभी जारी नहीं की गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि कई लोगों को जहरीली गैस के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई।

बेल्जियम में स्कूल बस की ट्रेन से भीषण टक्कर, कई लोगों की मौत से मचा हड़कंप

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में ट्रेन ने एक स्कूल बस को तेज टक्कर मारी है। इस भीषण हादसे में बस में सवार स्टाफ और बच्चों में से कई लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा सेथानीय समय के अनुसार,

सुबह 8.15 मिनट पर हुआ है। बता दें कि जब ट्रेन गुजर रही थी तो फाटक बंद था और लाल बत्ती जल रही थी। फिलहाल, ट्रेन के यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और इमरजेंसी सर्विस मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार को उत्तरी बेल्जियम में सात बच्चों को ले जा रही एक स्कूल मिनीबस को ट्रेन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में कई लोगों की मौत हो गई। बता दें कि बुगेनहौट गांव में एक लेवल क्रॉसिंग पर टक्कर के बाद बस में सवार कई लोगों की मौत हो गई है।

एक पुलिस प्रवक्ता ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मिनीबस में सात बच्चे, एक सुपरवाइजर और एक ड्राइवर सवार थे। बेल्जियम पुलिस ने फिलहाल इस घटना में मौतों की संख्या कन्फर्म करने से मना कर दिया है। स्पोक्सपर्सन फ्रेडरिक सैक्रे ने कहा कि टक्कर बहुत ज़ोरदार थी और मौत का आंकड़ा बहुत ज्यादा है।यूरोपीय यूनियन चीफ उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भी इस हादसे पर अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पीड़ितों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आज, यूरोप बेल्जियम के दुख में साथ खड़ा है। बेल्जियम के गृह मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन ने भी इस हादसे को लेकर एक्स पर लिखा कि मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं और मैं घायलों के साथ खड़ा हूं।

बीपी ने चेयरमैन को हटाया, कंपनी में फिर बढ़ा विवाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की बड़ी तेल कंपनी बीपी ने अपने चेयरमैन अल्बर्ट मैनिफोल्ड को अचानक पद से हटा दिया है। कंपनी ने कहा कि उनके कामकाज, निगरानी और व्यवहार से जुड़े गंभीर मुद्दे सामने आए हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। बीपी बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से इयान टायलर को अंतरिम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। अल्बर्ट मैनिफोल्ड को पिछले साल अक्तूबर में चेयरमैन बनाया गया था।

इससे पहले वह निर्माण सामग्री बनाने वाली कंपनी सीआरएच के प्रमुख रह चुके हैं। बीपी ने उन्हें कंपनी में बड़े बदलाव लाने के लिए चुना था। हालांकि हाल के महीनों में कंपनी की नीतियों को लेकर शेयरधारकों और पर्यावरण समूहों की नाराजगी बढ़ गई थी। बीपी पहले हरित ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही थी, लेकिन बाद में उसने फिर तेल और गैस कारोबार पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव की काफी आलोचना हुई। कंपनी की कमाई भी प्रभावित हुई है। 2025 में बीपी की आय में 16 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। वहीं कंपनी का शुद्ध मुनाफा 86 प्रतिशत तक घट गया।

'अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट खतरनाक': एंटोनियो गुटेरेस

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति सम्मान में खतरनाक गिरावट को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता, राजनीतिक स्वतंत्रता और बल प्रयोग की मनाही जैसे मूल सिद्धांतों को या तो चुनौती दी जा रही है या इन्हें अनदेखा किया जा रहा है।

सुरक्षा परिषद में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने और संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतरराष्ट्रीय प्रणाली को मजबूत करने पर एक उच्चस्तरीय खुली बहस आयोजित की गई। इसे संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही नहीं हो रही और दंड से बच निकलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद : गुटेरेस

एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर शांति के लिए मानवता की सबसे अच्छी उम्मीद बना हुआ है, लेकिन इसकी ताकत इसे बनाए रखने के लिए जिम्मेदार लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। महासचिव

ने चेतावनी दी कि भू-राजनीतिक विभाजन गहरा रहे हैं, अविश्वास बढ़ रहा है और आम सहमति बनाना तेजी से मुश्किल होता जा रहा है।

सुरक्षा परिषद की भूमिका पर उठाए सवाल

गुटेरेस ने इस बात पर भी जोर दिया कि अक्सर यह परिषद एकता और उद्देश्य के साथ कार्य करने में विफल रहती है। उन्होंने कहा, 'जब सुरक्षा परिषद विभाजित होती है, तो इसके परिणाम इस कक्ष से कहीं आगे महसूस किए जाते हैं।'

यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया संघर्ष तक का किया जिक्र

महासचिव ने संघर्षों की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसमें ड्रोन जैसे हथियारों की आपूर्ति शामिल है, जो अक्सर नागरिकों और उनसे जुड़ी चीजों को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया, सूडान, यूक्रेन और अन्य क्षेत्रों में हिंसा का पैमाना और जटिलता बढ़ रही है। गुटेरेस ने तेजी से बढ़ती और अस्थिर करने वाले हथियारों की दौड़ के बारे में भी चिंता जताई।

चुनौतियों से निपटने के लिए तीन-आयामी रणनीति

इन गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए एंटोनियो गुटेरेस ने तीन प्रमुख क्षेत्रों में कार्रवाई का आह्वान किया: संघर्ष की रोकथाम और शांति स्थापना, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार। उन्होंने व्यापक बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर का लगातार पालन करने, शांति के हितों में कार्य करने, नेतृत्व और समझौते के माध्यम से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और यह सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र वास्तव में वही बने जो वह बनना चाहता था: समाधान के लिए एक मंच, अंतरराष्ट्रीय कानून का संरक्षक, और शांति व सुरक्षा के लिए एक शक्ति।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद-गौ-रक्षा के लिए वोट करे, पशु कहने वाली सरकार हटाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनता से गाय को पशु कहने वाली सरकारों को हटाकर माता कहने वाली सरकार लाने का आह्वान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौ-रक्षा की बातें सिर्फ मंचों और वक्तव्यों तक सीमित हैं, जबकि धरातल पर गायों की स्थिति दयनीय है। आश्रय स्थलों में गायों की हालत खराब है और गौ-तस्करों पर अंकुश नहीं लग पाया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्पष्ट किया कि उन्हें भाजपा से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वे गायों के मुद्दे पर सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा, हमारा वोट चाहिए, तब गाय को माता कहकर आना पड़ेगा। पहले बांदा में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को गौ-रक्षा में फेल बताया था। उनका आरोप था कि योगी, बुलडोजर का इस्तेमाल कर शासन कर रहे हैं, जबकि उनसे गौ-रक्षा पर सबसे अधिक उम्मीदें थीं। जनसंख्या वृद्धि पर उन्होंने नेताओं को अक्षम बताकर कहा कि वे काम ढूंढने की बजाय इस भार मान रहे हैं, जबकि पर्याप्त काम होने पर जनसंख्या संपत्ति हो सकती है।

मधुबनी स्टेशन पर एक्सप्रेस कोच में भीषण आग, कोई हताहत नहीं, जांच के आदेश

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को जयनगर-उधना एक्सप्रेस के जनरल कोच में भीषण आग लग गई, जिससे वह डिब्बा पूरी तरह जल गया। हालांकि, गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जिस कोच में आग लगी, वह मरम्मत के काम के लिए प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर खड़ा था। अचानक उसमें से घना काला धुआं और लपटें निकलने लगीं, और आग तेजी से पूरे जनरल डिब्बे में फैल गई। घटना के समय ट्रेन में कोई यात्री सवार नहीं था, क्योंकि यह पिछले दो दिनों से स्टेशन पर मरम्मत के लिए खड़ा था। इस वजह से किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई। स्टेशन पर मौजूद लोगों ने आग देखते ही तुरंत स्टेशन मास्टर को सूचित किया। दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और उसे अन्य कोचों तक फैलने से रोका। इस घटना से स्टेशन परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही, समस्तीपुर रेलवे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा विशेष ट्रेन से मधुबनी पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और रेलवे अधिकारियों से आग लगने के कारणों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। डीआरएम ने आग लगने के सही कारण की जांच करने और सुरक्षा उपायों में संभावित कमियों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच समिति गठित करने की घोषणा की है। रेलवे अधिकारियों को शुरुआती तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट लग रहा है, हालांकि वास्तविक वजह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। गौरतलब है कि इससे पहले 18 मई को भी ससाराम-पटना फास्ट पैसेंजर ट्रेन के एक जनरल कोच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई थी।

कनाडा में गुजराती छात्रा की निर्मम हत्या : नायग्रा फॉल्स में 23 वर्षीय विधि मेघा पर चाकू से हमला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात से उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के सपने लेकर कनाडा गई एक और भारतीय बेटी की दर्दनाक मौत ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। गुजरात के आनंद जिले के बोरसद की रहने वाली 23 वर्षीय विधि मेघा की कनाडा के नायग्रा फॉल्स इलाके में अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद परिवार सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, विधि पिछले चार वर्षों से कनाडा में रहकर पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी भी कर रही थी। बताया जा रहा है कि 15 मई को वह अपने निवास स्थान से निकली थी, जिसके बाद रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। बाद में उसकी हत्या की खबर सामने आने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस हृदयविदारक घटना के बाद कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय में भी आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने छात्राओं और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। फिलहाल कनाडाई पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। वहीं, विधि के परिजनों ने भारत सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि उसकी पार्थिव देह को जल्द से जल्द भारत लाने में सहायता की जाए, ताकि वतन में अंतिम संस्कार किया जा सके। एक होनहार और सपनों से भरी युवा बेटी की असमय मौत से बोरसद में मातम पसरा हुआ है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में गहरा शोक व्याप्त है।

भड़काऊ टिप्पणी के मामले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शिकायत

-गुजरातियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के भवानीपुर पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चुनाव प्रचार के दौरान बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुजराती समुदाय को लेकर कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली टिप्पणी की थी। यह शिकायत अर्णब कांति दास नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है कि टीएमसी सांसद का यह बयान देश की राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक है। दरअसल, अभिषेक बनर्जी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था कि बांग्ला विरोधी गुजराती गैंग और उनके चमचे मिलकर अगर दस जनम भी ले लें, तब भी उनके डायमंड हार्बर मॉडल का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। उन्होंने पूरी भारत सरकार को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर हिम्मत है तो फलता से चुनाव लड़कर दिखाओ। इस बयान पर आपत्ति जताते हुए शिकायतकर्ता ने तर्क दिया है कि यदि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे कुछ और होते और तृणमूल कांग्रेस जीत जाती, तो इस सोशल मीडिया पोस्ट से उग्र होकर पार्टी कार्यकर्ता बंगाल में रह रहे गुजराती समुदाय के खिलाफ भारी हिंसा कर सकते थे। शिकायत में कहा गया है कि गैंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर सांसद ने भारत की विविधता को नुकसान पहुंचाया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, राजनीतिक मुकाबला सिर्फ राजनीति तक ही सीमित रहना चाहिए, लेकिन एक ऐसी संवैधानिक संस्था को बीच में घसीटना जिसे देश के राष्ट्रपति ने चुना है और विरोधी पार्टी के खिलाफ जहर उगलने के बहाने सीधे देश तथा सरकार को चुनौती दे देना, संविधान के खिलाफ खुले विद्रोह जैसा है।

कई राज्यों में 100 किमी की रफ्तार से चलेगी आंधी, मूसला धार होगी बारिश

दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रौद्र रूप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न राज्यों में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले 48 घंटों के भीतर देश के कई हिस्सों में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की विनाशकारी रफ्तार से आंधी-तूफान आने की आशंका है। इसके साथ ही कई राज्यों में मूसलाधार बारिश और भारी ओलावृष्टि को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले 2-3 दिनों में इसके अरब सागर, लक्षद्वीप और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दस्तक देने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बन चुकी हैं।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में 28 मई को लू का हल्का असर रहेगा, लेकिन 29 मई को मौसम रौद्र रूप अख्तियार कर सकता है। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में 29 और 30 मई को 80 से 100 किमी/घंटे की रफ्तार से विनाशकारी तूफान, भारी बारिश और ओलावृष्टि की प्रबल आशंका है। उत्तर प्रदेश में 28 मई को धूल भरी आंधी और लू चलेगी, जिसके बाद 29 मई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 80-100 किमी/घंटे और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 60-80 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफान आने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान यूपी के कई हिस्सों में ओले गिरने और पश्चिमी यूपी में भारी बारिश की आशंका है।

बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश

बिहार में प्री-मॉनसून गतिविधियां बेहद उग्र हो गई हैं। राज्य में 28 और 29 मई को भारी बारिश के साथ 60 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट जारी किया गया है, जिससे कच्चे मकानों और पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। झारखंड में भी 28 मई से 1 जून तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा, जहां 28 से 30 मई के दौरान हवा की रफ्तार 50 से 70 किमी/घंटे रह सकती है। उधर पश्चिम बंगाल में 28 मई को 60 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से भयंकर तूफान और भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि सिक्किम और हिमालय से सटे इलाकों में भी अगले दो दिन रुक-रुक कर बारिश होगी।

पहाड़ी राज्यों और मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ का हाल

मैदानी इलाकों के साथ-साथ पहाड़ों पर भी मौसम तेजी से बदलेगा। जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में 28 और 29 मई को 50-70 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफान आ सकता है, जबकि 29 मई को उत्तराखंड में भारी बारिश का विशेष अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में भी 28 से 30 मई के बीच बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बात करें तो 28 मई को पूर्वी मध्य प्रदेश में भीषण लू की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 29 और 30 मई को पूरे मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि और 50-70 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान की संभावना है। छत्तीसगढ़ में भी 28 मई को लू के बाद 29 मई को ओले गिरने और अगले तीन दिनों तक तेज अंधड़ के साथ बारिश होने के आसार हैं।

तापमान में आएगी भारी गिरावट

इस देशव्यापी आंधी और बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश तक के लोगों को उमस भरी तपती गर्मी से बड़ी राहत मिलने वाली है। 28 से 30 मई के बीच इन क्षेत्रों के अधिकतम तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। वहीं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में भी 2 जून तक तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 31 मई से तापमान में एक बार फिर 4 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी देखी जा सकती है।

बढ़ती महंगाई पर कुमारी सैलजा का केंद्र सरकार पर तीखा हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने देश में लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर बढ़ते टैक्स और सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण आम आदमी, विशेषकर मध्यम वर्ग का जीना मुश्किल हुआ है। कांग्रेस नेत्री सैलजा ने कहा कि आज चाय, चीनी, चावल, दाल, कपड़े और चप्पलें तक महंगी हुई हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि से ट्रांसपोर्टेशन लागत बढ़ी है, जिससे रसोई का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि जो परिवार पहले 35,000 रुपये में घर चलाता था, अब 40,000 रुपये में भी संघर्ष करना पड़ रहा है। खाद्य तेल, दालें, चायपत्ती और गैस सिलेंडर जैसी आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा कीमतों ने मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की कमर तोड़ दी है। कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार केवल टैक्स वसूली और बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने में व्यस्त है, जनता की परेशानियों पर कोई ध्यान नहीं। महंगाई ने न केवल घरेलू बजट बिगाड़ा है, बल्कि शादी-ब्याह जैसे सामाजिक आयोजनों का खर्च भी आम परिवारों की पहुंच से बाहर कर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से पेट्रोल-डीजल पर अत्यधिक टैक्स में तत्काल कमी करने, जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर सख्त नियंत्रण लगाने तथा आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। कांग्रेस पार्टी ने भरोसा दिलाया कि वह हमेशा आम आदमी, किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग की आवाज उठाती रहेगी और उनके हितों के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

सीएम सम्राट चौधरी का अजीबो-गरीब स्केच वायरल, मजनू भाई की याद दिलाई

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हाल ही में एक बिल्डर द्वारा भेंट किया गया पेंसिल स्केच सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यह चित्र तब चर्चा का विषय बन गया, जब पटना के बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री चौधरी से अपनी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों में से एक में संजीव, जो पल्लव राज कंस्ट्रक्शन के सीएमडी हैं, मुख्यमंत्री को यह चित्र भेंट करते हुए दिखाई दे रहे थे।

जैसे ही तस्वीर सामने आई, सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत स्केच की तुलना बॉलीवुड फिल्म वेलकम के प्रसिद्ध किरदार मजनू भाई की बनाई गई अजीबो-गरीब पेंटिंग से करनी शुरू कर दी। लोगों ने पाया कि यह चित्र मुख्यमंत्री चौधरी से जरा भी मिलता-जुलता नहीं था, जिसके चलते इसकी कलात्मकता पर सवाल उठने लगे। भारतीय युवा कांग्रेस ने भी इस पर तंज कसते हुए पूछा, अंदाजा लगाओ कौन?

एक यूजर ने लिखा, यह पेंटिंग तब बिल्कुल नहीं कही जा सकती। वहीं, कुछ अन्य यूजर्स ने मुख्यमंत्री चौधरी के सहज स्वभाव की सराहना की कि उन्होंने इस विचित्र कलाकृति को भी इतनी विनम्रता से स्वीकार कर लिया। हालांकि, नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का सिलसिला बढ़ने के बाद, बिल्डर संजीव श्रीवास्तव ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट से स्केच वाली विशेष तस्वीर हटा दी और कमेंट सेक्शन को भी बंद किया। यह घटना दर्शाती है कि कैसे एक सामान्य सी भेंट भी डिजिटल युग में रातोंरात सुर्खियां बटोर सकती है और व्यापक जनचर्चा का विषय बन सकती है।

सीएम की कुर्सी पर बैठते ही कावेरी जल से बढ़ी विजय की टेंशन

-पानी को लेकर तमिलनाडु-कर्नाटक में एक सदी से चल रहा है विवाद

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत हासिल कर सीएम की कुर्सी पर बैठे सी जोसेफ विजय लगातार चर्चा में हैं। उनके सामने राज्य से जुड़ी तमाम जिम्मेदारियां सिर उठाए खड़ी है। इनमें सबसे अहम है नदी का पानी और उस पर बांध का प्रोजेक्ट है, जो विजय के सब्र की पहली अग्निपरीक्षा ले रहा है। नदी का नाम है कावेरी, जिसमें बहने वाला पानी तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दो बड़े राज्यों के बीच एक सदी से भी ज्यादा समय से विवाद की वजह बना है।

विजय के सीएम बनने के साथ ही यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया है। कर्नाटक सरकार की तरफ से मेकेदातु बांध बनाने के ऐलान ने नदी के विवाद को फिर से गहरा दिया। कावेरी नदी को दक्षिण भारत की जीवनरेखा माना जाता है। इसके पानी का बंटवारा केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच एक संवेदनशील, राजनीतिक और भावनात्मक जंग बन चुका है। यह विवाद हर साल गहराता जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हालिया सालों में यह विवाद की सबसे बड़ी वजह बनकर उभरा है मेकेदातु बांध प्रोजेक्ट। तमिलनाडु की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिव्यू याचिका खारिज हो गई है। विजय पर राजनीतिक दबाव भी बनने लगा है। कावेरी नदी मुख्य रूप से कर्नाटक और तमिलनाडु में बहती है। यह कर्नाटक के कोडागु जिले में वेस्टर्न घाट की ब्रह्मगिरी पहाड़ियों में स्थित तालकावेरी से निकलती है। यह कर्नाटक में इसका ओरिजिन पॉइंट केरल की सीमा के पास है। फिर यह तमिलनाडु के बड़े हिस्से को कवर करते हुए केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से गुजरते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इस नदी का करीब 54 फीसदी बेसिन क्षेत्र तमिलनाडु में और करीब 41 फीसदी कर्नाटक में आता है।

इस नदी के पानी को लेकर विवाद की जड़ें आज से एक सदी से भी ज्यादा पुरानी हैं। साल 1892 और 1924 में समझौते हो चुके हैं। ब्रिटिश काल में तत्कालीन मैसूर रियासत और मद्रास प्रेसिडेंसी के बीच पानी के बंटवारे को लेकर दो समझौते हुए थे। तमिलनाडु का तर्क है कि इन समझौतों के तहत पानी पर उसका ऐतिहासिक अधिकार है। वहीं कर्नाटक का रुख अलग है। आजादी के बाद कर्नाटक ने इन समझौतों को पुराना और औपनिवेशिक बताते हुए खारिज कर दिया। कर्नाटक का कहना है कि नदी का उद्गम स्थल उसके यहां है, इसलिए अपनी खेती और आबादी की जरूरतों को पूरा करने का पहला हक उसका है।

सुप्रीम कोर्ट के फॉर्मूले के मुताबिक जब मानसून सामान्य रहता है, तब पानी का संकट नहीं होता, लेकिन समस्या तब खड़ी होती है जब कम बारिश होती है। कर्नाटक के जलाशयों में पानी जब कम होता है तो वह तमिलनाडु को उसके हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जताता है। दूसरी ओर तमिलनाडु की 'कुरुवई' और 'थलाडी' यानी धान की फसलें पूरी तरह से कावेरी के पानी पर निर्भर हैं। तमिलनाडु पानी ना मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, जिससे दोनों राज्यों में विरोध प्रदर्शन और तनाव की स्थिति पैदा हो जाती है।

मेकेदातु का शाब्दिक अर्थ होता है- बकरी की छलांग। यह कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक गहरी खाई जैसा है, जहां कावेरी नदी अर्कावती नदी के साथ मिलती है। कर्नाटक सरकार यहां करीब 9000 करोड़ रुपए की लागत से एक 'संतुलन जलाशय' बनाना चाहती है, जिसकी क्षमता करीब 67 टीएमसी पानी स्टोर करने की होगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य बेंगलुरु शहर और उसके आसपास के जिलों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करना है। इसके अलावा यहां से 400 मेगावाट जलविद्युत पैदा करने की भी योजना है।

ममता की योजना में निकला महाघोटाला, 30 लाख फर्जी मिले लाभार्थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर एक बहुत बड़े फर्जीवाड़े और वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। राज्य सरकार की आंतरिक पड़ताल और समीक्षा के बाद यह बात सामने आई है कि करीब 30 लाख अयोग्य और फर्जी लोग इस योजना के तहत हर महीने मिलने वाले डायरेक्ट कैश बेनिफिट (डीबीटी) का गलत तरीके से फायदा उठा रहे थे। अब तक राज्य की करीब 2.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में इस योजना के जरिए सीधे नकद राशि ट्रांसफर की जा रही थी, लेकिन अब इस पूरी सूची को दुरुस्त करने की कवायद शुरू कर दी गई है। इस बड़े प्रशासनिक कदम की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने नबन्ना में अन्नपूर्णा योजना के लिए नया आवेदन फॉर्म लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का शुरुआती इरादा लक्ष्मी भंडार योजना के लाभार्थियों की सूची को पूरी तरह सत्यापित करना और फिर महिलाओं को नई अन्नपूर्णा योजना के तहत वित्तीय लाभ देना शुरू करना था। लेकिन इस प्रक्रिया के बीच सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि लाखों अयोग्य महिलाओं के नाम इस सूची में जुड़े हुए हैं। प्राथमिक जांच के अनुसार, यह आंकड़ा 30 लाख के आसपास हो सकता है, जिसकी पूरी और सटीक तस्वीर लाभार्थियों द्वारा नए फॉर्म भरकर जमा करने के बाद साफ हो जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले राज्य में लाभार्थियों की जमीनी हकीकत जानने के लिए एक डोर-टू-डोर (घर-घर जाकर) सर्वे शुरू किया गया था। इस सर्वे के जो शुरुआती नतीजे सामने आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। जांच में पता चला कि कई ऐसे लोग भी योजना का लाभ उठा रहे थे जो या तो राज्य से बाहर जा चुके हैं, या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, या फिर जिनके नाम डुप्लीकेट वोटर के रूप में एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से हमेशा के लिए हटा दिए गए थे। इसके अलावा, इस सूची में कई ऐसे नाम भी शामिल पाए गए जो अस्तित्व में ही नहीं हैं या जो गैर-भारतीय नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने माना कि यह सब पिछली कमियों और आवेदकों के दस्तावेजों के सही तरीके से सत्यापन (वेरिफिकेशन) न होने के कारण हुआ। इस वित्तीय नुकसान को रोकने और वास्तविक लाभार्थियों को हक दिलाने के लिए अब सरकार ने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत लाभार्थियों को 12 पन्नों का एक नया फॉर्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरना होगा। इस फॉर्म में परिवार की पूरी जानकारी, राशन कार्ड, गाड़ी, जमीन, मकान जैसी संपत्तियों का ब्योरा और परिवार में किसी सदस्य के सरकारी नौकरी में होने या न होने की स्पष्ट घोषणा करनी होगी। जो लोग ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर कार्यालय जाने में असमर्थ हैं, उनके लिए प्रशासन अगले एक महीने तक घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने की विशेष सेवा शुरू करेगा। फॉर्म भरने और जमा करने की यह पूरी प्रक्रिया तीन महीने तक चलेगी। सरकार ने यह साफ किया है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटे हैं, लेकिन उन्होंने ट्रिब्यूनल में अपील की है या सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन किया है, उनका लाभ नहीं रोका जाएगा। साथ ही, जब तक सभी योग्य लाभार्थियों को अन्नपूर्णा योजना में पूरी तरह स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता, तब तक लक्ष्मी भंडार योजना सुचारू रूप से चलती रहेगी।

मुस्लिम समुदाय ने ईद पर गाय को राष्ट्रमाता बनाने की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर मुस्लिम समुदाय ने आपसी भाईचारे और शांति का संदेश दिया। नमाज अदा करने के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं ने महत्वपूर्ण राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखी, जिसमें गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग प्रमुख रही।

समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद देकर देशवासियों से आपसी एकता को इतना मजबूत करने का आह्वान किया ताकि कोई भी सांप्रदायिक ताकत तोड़ न सके। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए यदि कोई कुर्बानी देनी पड़ी, तब वे उसके लिए तैयार हैं। सपा नेता मेहरोत्रा ने मोदी सरकार से गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग की और भाजपा पर मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल मुद्दे खड़े करने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य द्वारा घोषित धर्मयुद्ध का समर्थन करने की भी बात कही।

वहीं, सपा नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने भी गाय को राष्ट्रीय दर्जा देने की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने पहले ही गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की बात कही है और उन्हें किसी के बयान (अविमुक्तेश्वरानंद) में पड़ने की जरूरत नहीं है। ईदगाह में नमाज के बाद देश में अमन-शांति, भीषण गर्मी से निजात और जनगणना में सक्रिय भागीदारी के लिए भी दुआ मांगी गई। मौलाना खालिद राशिद फिरंगी महली ने बताया कि बड़ी संख्या में मुसलमानों ने अच्छे माहौल में नमाज अदा की। उन्होंने जनगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। मौलाना ने स्पष्ट किया कि कुर्बानी केवल उन्हीं जानवरों की की जाए जिन पर कोई कानूनी बंदिश नहीं है, ताकि त्यौहार सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जा सके।

स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत का डंका: अमेरिका-चीन के क्लब में शामिल

- स्वदेशी हाइड्रोजन बैलून तकनीक से दुनिया में बढ़ा दबदबा

- सस्ते इंटरनेट और सटीक आपदा प्रबंधन का नया दौर

- 25 किमी ऊंचाई तक पहुंचा 'विस्टा'

-लॉन्च हुआ पहला स्वदेशी स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अंतरिक्ष और नियर स्पेस तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निजी अंतरिक्ष कंपनी रेड बैलून एरोस्पेस ने देश का पहला स्वदेशी सुपर-प्रेशर स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इसके साथ ही भारत अमेरिका, फ्रांस, जापान और चीन जैसे चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास स्वदेशी हाइड्रोजन स्ट्रेटोस्फेरिक बैलून क्षमता मौजूद है। वर्ष 2025 में परिचालन शुरू करने वाली रेड बैलून एरोस्पेस ने महज आठ महीनों में अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान को अंजाम देकर तेजी से विकसित होने वाली वैश्विक परियोजनाओं में जगह बना ली है। कंपनी का 'विस्टा' सुपर-प्रेशर प्लेटफॉर्म विजयवाड़ा के इंदिरा गांधी स्टेडियम से लॉन्च किया गया, जिसने पृथ्वी से करीब 25 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचकर कई तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए। इस मिशन में सात राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के पेलोड शामिल थे। इनमें जैविक प्रयोग प्रणाली, प्रणोदन तकनीक, ऑनबोर्ड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म, पृथ्वी अवलोकन सेंसर और नेविगेशन सत्यापन प्रणाली जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का परीक्षण किया गया। सभी प्रयोग सफल रहने से अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मानकों के अनुरूप भारत की तकनीकी क्षमता साबित हुई है। 'मिशन साना' दूरसंचार, आपदा प्रबंधन, पृथ्वी अवलोकन और निगरानी के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है। विस्टा प्लेटफॉर्म ऊंचाई पर एक टावर की तरह काम करता है, जिससे उन इलाकों में भी नेटवर्क और निगरानी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं, जहां सामान्य संचार व्यवस्था कमजोर है। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ सीवीएस किरण ने कहा कि विस्टा उनकी मुख्य प्लेटफॉर्म तकनीक है और आने वाले महीनों में इसकी क्षमताओं का और विस्तार किया जाएगा। वहीं, सीओओ सिरीश पल्लिकोंडा ने बताया कि एक ही मिशन के जरिए कई संगठनों और उद्योगों को सेवाएं देने से लागत कम होगी और नियर स्पेस तक पहुंच आसान बनेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, 20 से 50 किलोमीटर के बीच का समताप मंडल अब तक कम इस्तेमाल किया गया क्षेत्र रहा है। ऐसे

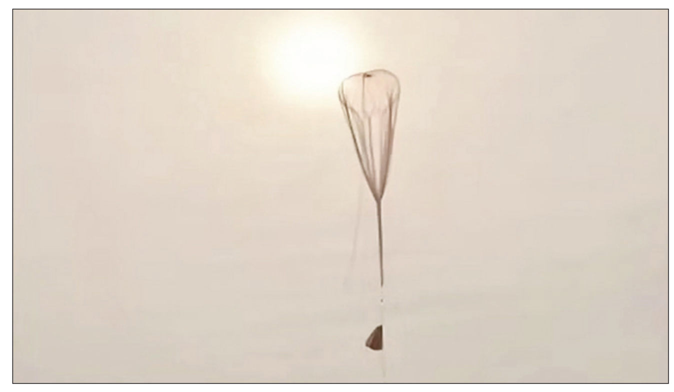

प्लेटफॉर्म उपग्रहों की तुलना में कम लागत में उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग, तेज तैनाती और आपदा प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com